visit us
www.rajasthandar-shanpatrika.com
rajasthandarshan-patrika
rajasthandarshan-news
rajasthandarshan
rajasthan darshan-news channel
rajasthan darshan patrika

दैनिक प्रातः कालीन

RNI. NO.- RAJHIN/2022/ 82942

राजस्थान दर्शन

डाक पंजीयन संख्याः jaipur city/005/2023-25

वर्ष : 5 | अंकः 104 | जयपुर, सोमवार, 13 जुलाई, 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य- 2₹

ब्रीफ न्यूज

कतर के पूर्व अमीर के सम्मान में आज आधा झुकेगा तिरंगा

राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। भारत ने कतर के फादर कहे जाने वाले शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में सोमवार को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। शेख हमद का रविवार को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि शोक के दिन पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और उस दिन कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन की घोषणा कतर की सर्वोच्च सरकारी संस्था अमीरी दीवान ने को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया।

डूंगरपुर में चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

राजस्थान दर्शन

डूंगरपुर। धम्बोला थाना क्षेत्र के लिखी बड़ी गांव में रविवार को दर्दनाक हादसे में वात्रक तालाब में नहाने गए छह बच्चों में से चार की डूबने से मौत हो गई। दो बच्चों को ग्रामीणों ने बचा लिया। मरने वाले बच्चों में तीन सगे भाई-बहन और उनकी फुफेरी बहन शामिल थे। पुलिस के अनुसार बड़ी गांव निवासी बाबूसिंह डामोर के बच्चे हिना (24), प्रतीक (20) और इशिता (15) अपने रिश्तेदारों के साथ वात्रक तालाब में नहाने पहुंचे थे। उनके साथ गुजरात के पालनपुर निवासी उनकी फुफेरी बहन रौनक (20) भी मौजूद थी। नहाने के दौरान सभी बच्चे अचानक तालाब के गहरे हिस्से में चले गए और डूबने लगे। बच्चों को बचाने के लिए मौके पर मौजूद ग्रामीण तुरंत तालाब में कूद पड़े और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से राजवीर और जयसिंह को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जबकि चार अन्य बच्चों को बचाया नहीं जा सका।

चिंता : भीलवाड़ा और बांसवाड़ा में प्रसूताओं की मौत की होगी हाईलेवल जांच, खुलेंगे सारे राज

उठे सवाल...? सरकार ये अस्पताल हैं या मौत के घर, बदहाल व्यवस्थाएं उजाड़ रहीं घर

दोनों जिलों के अस्पतालों में पहुंची विशेषज्ञों की टीम, मेडिकल रिकॉर्ड जब्त

राजस्थान दर्शन

बांसवाड़ा/भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा और बांसवाड़ा के महात्मा गांधी जिला अस्पतालों में बीते एक सप्ताह के दौरान हुए प्रसूताओं की मौतों के मामले में एक बार फिर चिकित्सा विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पूर्व में बीकानेर, कोटा समेत कई जिलों में प्रसूताओं की उपचार के दौरान हुई मौतों के मामले अभी ठंडे भी नहीं पड़े थे कि दो और जिलों में 9 प्रसूताओं की मौतों ने सरकार पर कालिख पोत दी। दोनों जिला अस्पतालों में विभाग ने जयपुर से विशेषज्ञों की टीम को भेजा और गहन पड़ताल करवाई। दोनों जिला अस्पतालों से उपचार के रिकॉर्ड जब्त किए गए।

बांसवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में 7 से 10 जुलाई के बीच चार प्रसूताओं की मौत के मामले स्वास्थ्य विभाग रविवार को हरकत में आया। प्रमुख शासन सचिव (स्वास्थ्य) के निर्देश पर जयपुर से वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की उच्च स्तरीय जांच टीम अस्पताल पहुंची। टीम ने उपचार व्यवस्था, मेडिकल रिकॉर्ड और संबंधित चिकित्सकों से जानकारी जुटाई। जांच दल ने सबसे पहले प्रसूता वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान भर्ती मरीजों के उपचार की व्यवस्था, उपलब्ध संसाधन, वार्ड प्रबंधन, आपातकालीन सुविधाएं तथा प्रसव के दौरान अपनाई जाने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। इसके बाद चारों मृत प्रसूताओं से संबंधित केस फाइलें, जांच रिपोर्ट, ऑपरेशन नोट्स, दवा पर्चियां और अन्य मेडिकल रिकॉर्ड कब्जे में लेकर उनकी तकनीकी जांच शुरू की।

उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कड़े सवाल-जवाब किए

निरीक्षण के बाद अस्पताल के पीएमओ कार्यालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में गायनिक विभाग के चिकित्सकों, एनेस्थेटिस्ट, नर्सिंग स्टाफ तथा अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों से प्रत्येक मामले में मरीज की अस्पताल में भर्ती से लेकर उपचार और मृत्यु तक की पूरी चिकित्सकीय प्रक्रिया के बारे में सवाल-जवाब किए। साथ ही ड्यूटी रोस्टर, रेफरल प्रक्रिया और उपचार के दौरान लिए गए चिकित्सकीय निर्णयों की भी जानकारी ली।

भीलवाड़ा में सरकारी जांच में खुलासा, संक्रमण से नहीं हुई मौतें

भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में प्रसूताओं की मौत के मामले में राज्य सरकार की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में ऑपरेशन थिएटर संक्रमण को मौतों का कारण नहीं माना गया। सरकार ने बताया कि छह दिनों में हुई पांच महिलाओं की मौत अलग-अलग चिकित्सीय जटिलताओं के कारण हुईं। पूरे मामले की विस्तृत और वैज्ञानिक जांच के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय की विशेषज्ञ टीम भीलवाड़ा और बांसवाड़ा भेजी गईं। प्रदेश भर के गायनिक विशेषज्ञों की बैठक सोमवार को बुलाई गई, जबकि मंगलवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर स्वयं भीलवाड़ा का दौरा करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने कहा कि सरकार इन घटनाओं को बेहद गंभीरता से ले रही है। विशेषज्ञ टीम उपचार प्रक्रिया, दवाओं की गुणवत्ता, ऑपरेशन थिएटर की स्थिति, संक्रमण नियंत्रण, उपकरणों और मॉनिटरिंग सिस्टम सहित सभी पहलुओं की गहन जांच करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में छह दिनों में 5 महिलाओं की मौत हुई

सरकार की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार भीलवाड़ा अस्पताल में छह दिनों के दौरान जिन पांच महिलाओं की मौत हुई, उनमें प्रत्येक की मृत्यु का कारण अलग-अलग चिकित्सकीय जटिलताएं थीं। इनमें हार्ट अटैक, हाइपोवोलेमिक शॉक, पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म, गर्भावस्था में गंभीर उच्च रक्तचाप से उत्पन्न सिंड्रोम तथा प्रसवोत्तर अत्यधिक रक्तस्राव जैसी गंभीर स्थितियां शामिल रहीं। एक मरीज का ऑपरेशन हुआ ही नहीं था, जबकि एक अन्य महिला प्रसूता नहीं, बल्कि स्त्री रोग की मरीज थी। इसलिए सभी मौतों को ऑपरेशन थिएटर संक्रमण से जोड़ना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं।

बांसवाड़ा में फीडबैक लेते जयपुर से पहुंचे अधिकारी।

बांसवाड़ा में निगाहें जांच रिपोर्ट पर

बांसवाड़ा में चार प्रसूताओं की मौत के बाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई सवाल उठे। ऐसे में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और आमजन की निगाहें जयपुर से आई विशेषज्ञ समिति की अंतिम जांच रिपोर्ट पर टिक गईं। रिपोर्ट के आधार पर यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

बैंकॉक के पब में भीषण आग, 27 लोगों की मौत

राजस्थान दर्शन

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार तड़के पब में भीषण आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार दमकलकर्मियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहतकर्मियों ने बताया कि आग लगने की सूचना देर रात को मिली। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में उत्तरी बैंकॉक स्थित पब के मुख्य द्वार से ऊंची लपटें उठती दिखाई दीं। लोग जान बचाने के लिए बाहर भागते नजर आए, जबकि आसमान में काले धुएं का घना गुबार फैल गया। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीरकुल ने घटनास्थल पर पत्रकारों से कहा कि हादसे में 27 लोगों की मौत हुईऔर कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। थाईलैंड में इस तरह की त्रासदियां पहले भी हो चुकीं। वर्ष 2022 में देश के पूर्वी हिस्से के म्यूजिक पब में लगी आग में 14 लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले 1 जनवरी 2009 को बैंकॉक के सैंटिका नाइटक्लब में नववर्ष समारोह के दौरान आग लगने से 66 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे।

आक्रोश... नीट पेपर लीक में 22 बच्चों का क्या कसूर था, शिक्षा मंत्री प्रधान इस्तीफा दें

जयपुर। नीट पेपर लीक प्रकरण में देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को राजस्थान कांग्रेस सेवा दल ने कांग्रेस मुख्यालय से शहीद स्मारक तक कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार और प्रधान के खिलाफ जमकर नारे लगाए। मामले में देशभर में 22 छात्र आत्महत्या कर चुके। कैंडल मार्च में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस विधायक रफीक खान शामिल हुए। इस दौरान सभी बच्चों को श्रद्धांजलि दी गई। कैंडल मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आत्महत्या करने वाले 22 बच्चों के पोस्टर और होर्डिंग हाथों में उठाए। जूली ने कहा कि नीट पेपर लीक में न्याय की मांग को लेकर देशभर के युवा और बच्चे सड़कों पर हैं, लेकिन केंद्र सरकार उनकी नहीं सुन रही। धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे रहे। कांग्रेस पार्टी भी उनके इस्तीफा नहीं देने तक सड़कों पर आंदोलन करती रहेगी। सबने पेपर लीक माफियाओं को सख्त सजा देने की मांग भी उठाई।

दावा : पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपनी किताब में किया खुलासा, कई प्रसंग बताए

चुनाव आयोग पर आरोप से पूर्व प्रधानमंत्री हुए आहत, सुसाइड को कहा : कुरैशी

तत्कालीन कानून मंत्री सलमान खुर्शीद और कई मंत्रियों ने उठाए थे सवाल

राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने अपनी किताब इंडिया एंड आई : ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा इमोशनल मोमेंट शेयर किया। कुरैशी की किताब के मुताबिक 2012 में चुनाव आयोग के खिलाफ कुछ मंत्रियों ने कमेंट किए थे। जब इनकी शिकायत मनमोहन सिंह की गई तो उन्होंने कहा था, अगर आपको ऐसा लगता है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। मनमोहन सिंह ने कुरैशी से यह भी कहा था कि इलेक्शन कमीशन सिर्फ भारत का गौरव नहीं बल्कि देश के लोकतंत्र की आत्मा है। अगर हम इसे खो देते हैं तो हम सबकुछ खो देंगे। किताब में कुरैशी ने मनमोहन सिंह की ऐसे नेता के रूप में तारीफ की जिनके लिए संवैधानिक मर्यादा बातचीत का मुद्दा नहीं बल्कि जीता-जागता विश्वास था। किताब के लेखक कुरैशी भारत के 17वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे। उन्होंने 30 जुलाई 2010 से 10 जून 2012 तक चुनाव आयोग की बागडोर संभाली। अपने कार्यकाल में उन्होंने मतदाता जागरूकता, चुनावी खर्च निगरानी और चुनाव प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए। पूर्व पीएम से जुड़ा यह प्रसंग उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2012 से जुड़ा था। उस दौरान तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने मुस्लिम आरक्षण बढ़ाने का चुनावी वादा किया था। भाजपा की शिकायत पर चुनाव आयोग ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए खुर्शीद को फटकार लगाई थी। कार्रवाई के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने चुनाव आयोग को मनमौजी और अहंकारी बताया। कुरैशी को यह बात बुरी लगी। उन्होंने तत्कालीन पीएम को इसकी जानकारी दी। वे इससे आहत हो गए।

यह सीक्रेट नहीं, देश के लीडर के कैरेक्टर की झलक थी

इस वाकये का जिक्र कर कुरैशी ने किताब में लिखा कि पीएम सिंह के सुसाइड वाले कमेंट की बात मैंने तुरंत उनके प्रिंसिपल सेक्रेटरी टीकेए नायर और उनके नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर शिवशंकर मेनन को बताई। उनके प्रेस सचिव हरीश खरे ने भी अपने कॉमन दोस्तों को इस बारे में बताया। हममें से किसी ने भी इसे सीक्रेट नहीं माना। यह हमारे देश को लीड करने वाले आदमी के कैरेक्टर की एक बहुत जरूरी झलक थी।

किताब में 100 से ज्यादा दिलचस्प किस्से उकेरे

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी ने इस किताब में अपनी जिंदगी के 100 दिलचस्प किस्से-कहानियों का संकलन किया। कुरैशी ने उन घटनाओं, मुश्किलों और अचानक आए घटनाक्रमों के बारे में बताया, जिन्होंने सिविल सर्विस में उनके करियर को खास बनाया। हैचेट इंडिया की ओर से पब्लिश यह किताब जल्द बाजार में आने वाली है। किताब में 2012 में इलेक्शन कमीशन के पंजाब के ड्रग संकट को पकड़ना, वह एमओयू जिसने डोनाल्ड ट्रम्प और एलन मस्क को हैरान कर दिया और कैसे टीआरपी का इस्तेमाल दूरदर्शन को छोटा करने और उसके विज्ञापन के पैसे को दूसरी जगह लगाने के लिए किया गया जैसी कई घटनाओं का जिक्र है।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014
ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC
Entrance Test Exam Fee is 1500/-
ADMISSION OPEN 2026-27
Admission for UGC & State Govt. Norms.
APPROVAL BY STATE GOVT., UGC, AIU, NCH, RPMC, AYUSH, PCI, RCI, BCI.NCTE, NCVT)

HOMOEOPATHY
- B.H.M.S.

YOGA & NATUROPATHY
- BNYS - PGDYN
- DNYS - CCYN

PARAMEDICAL
- Bachelor of Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Radiation Technology (BRT)
- Bachelor of Operation Theatre Technology (BOTT)
- Master of Medical Laboratory Technology (MMLT)
- Master of Radiation Technolog (MRT)
- Master of Operation Theatre Technology (MOTT)

PHYSIOTHERAPY
- BPT
- MPT (Musculoskeletal Science, Sports Science, Neurology Science)

LIBRARY
- D. LIBRARY - B. LIBRARY
- M. LIBRARY

COMMERCE & MANAGEMENT
- B.Com. - M.Com.
- BBA - MBA

COMPUTER SC. & APPLICATIONS
- DCA - BCA - PGDCA
- MCA - B.Sc. (IT) - M. Sc. (IT)

PH.D ALL ABOVE COURSES

ENGINEERING AI/ML
- B.Tech. AI/ML
- B.Tech. AI/Data Science
- BCA AI/ML
- BCA AI/Data Science
- BCA Cyber Security
- MCA AI/ML
- MCA AI/Data Science
- B.Sc. IT AI/ML
- B.Sc. IT AI/Data Science
- M.Sc. IT AI/ML
- M.Sc. IT AI/Data Science

ENGINEERING
- Diploma (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- B. TECH.
- CSE with Specialization: (Artificial Intelligence & Machine Learning, Data Science)
- B.TECH (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- M. TECH

I.T.I.
- Diesel - Fitter
- Electrician - Wireman

CLINICAL PSYCHOLOGY
- B.Sc. Clinical Psychology
- MA Clinical Psychology
- PDCP Clinical Psychology PGDRP

SCIENCE
- B. Sc. (PCM & CBZ)
- M. Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, Bio-Technology, Microbiology)

EDUCATION
- B.Ed.
- ITEP (B.A. B.Ed, B.Sc. B.Ed)
- MA EDUCATION

PHYSICAL EDUCATION
- D.P.Ed - B.P.Ed.
- M.P.Ed. - PGDSM

SPECIAL EDUCATION
- B.Ed. (HI) - B. Ed. (ID)
- D. Ed. (HI) - D. Ed. (IDD)
- ISTEP (FS) HI

PHARMACY
- D. Pharm - B. Pharm - M. Pharm

LAW
- B.A. LL.B. - LL.B. - LL.M. (2 Year)

ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
- BA - MA - MSW - MA (Yoga)

Hospitality Mgmt. Hotel Mgmt. & Catering Technology
- Bachelor in HMCT- BHM
- MBA. Hotel Mgmt.
- PG Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- UG. Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- Certificate in Hotel Mgmt./Catering Tech.

Hospital Management
- MBA.in Hospital Management
- Executive MBA in Hospital Mgmt.
- PG. Diploma in Hospital Mgmt

AGRICULTURE *Scholarships As per Admission on Merit Based the state Govt. Rules
- Diploma (1 Yr & 3 Yrs Courses)
- B.Sc. Hons.(Ag.)
- B.Sc. Hons.(Ag.) L.E.
- B.Sc. Hons. Agribusiness Management
- B.Sc. Hons. Natural Farming
- B.Sc. Hons. Organic Farming
- B.Tech Agricultural Engineering
- M.Sc. (Agri.) Agronomy, Genetics and Plant Breeding, Soil Science, Plant Pathology, Entomology, Agricultural Extension Education
- M.Sc. (Horti.) Fruit Science, Floriculture & Landscaping, Vegetable Science

UNIVERSITY CONTACTS 8875028991, 92, 93, 94
WEBSITE: www.madhavuniversity.edu.in
EMAIL: admission@madhavuniversity.edu.in
N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) -307032

यमुना जल समझौता केवल एमओए नहीं, शेखावाटी के भविष्य की नई इबारत; हर हाल में पहुंचेगा पानी : डॉ. सतीश पूनियां

सत्ता-विपक्ष ने एक मंच से शेखावाटी के लिए पानी को बताया सबसे बड़ा मुद्दा

● राजस्थान दर्शन

झुंझुनूं। शेखावाटी की सबसे बड़ी समस्या यदि किसी एक विषय को माना जाता है तो वह है–पानी। वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे झुंझुनूं, सीकर और चूरू जिले के लाखों लोगों के लिए हाल ही में हुआ यमुना जल समझौता उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। इसी मुद्दे ने जिले के चिड़ावा में आयोजित जी राजस्थान न्यूज के विशेष जनसंवाद कार्यक्रम 'एक कदम विकास की ओर' में भी सबसे अधिक स्थान पाया। कार्यक्रम में सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद एक स्वर में माना कि शेखावाटी के विकास की सबसे बड़ी कुंजी पानी है और यमुना जल परियोजना इस दिशा में ऐतिहासिक साबित हो सकती है। कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां, राजस्थान सरकार के मंत्री जोराराम कुमावत, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट एमडी चोपदार, जी राजस्थान न्यूज के चैनल हेड डॉ. मनीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, उद्योगपति, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जी राजस्थान के चैनल हेड डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि मीडिया का दायित्व केवल खबरें दिखाना नहीं, बल्कि समाज और सरकार के बीच संवाद का ऐसा सेतु बनना भी है। जो समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि 'एक कदम विकास की ओर' अभियान का उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने के साथ-साथ विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं की वीर भूमि केवल शौर्य और बलिदान के लिए ही नहीं, बल्कि शिक्षा, उद्योग, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए भी पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम के दौरान बिरला एजुकेशन ट्रस्ट के उप निदेशक अजय कुमार अग्रवाल ने भी झुंझुनूं में शिक्षा की संभावनाओं पर विचार रखे और केंद्र–राज्य सरकार के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। संचालन एंकर चंद्रर्षि राजपूत ने किया। आभार जिला प्रभारी संदीप केडिया ने जताया। इस मौके पर जी न्यूज के सीनियर रिपोर्टर बाबूलाल धायल, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व विधायक सुभाष पूनियां, पूर्व विधायक जेपी चंदेलिया, भाजपा नेता राजेश दहिया, ओबीसी आयोग सदस्य पवन मावंडिया, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विश्वंभर पूनियां, भाजपा नेता दिनेश धाबाई, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, सुभाष शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉ. अरूणा सिहाग, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया, भाजपा झुंझुनूं शहर मंडल अध्यक्ष कमलकांत शर्मा, सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर, भाजपा चिड़ावा शहर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पूर्व पार्षद राजेंद्र कोच, भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अमरसिंह तंवर, एडवोकेट सरजीत चौधरी, डॉ. डीएन तुलस्यान, भाजपा जिला मंत्री विनोद कुमावत, पवन–बंटी केडिया, विकास शर्मा लोटिया, अमित सुशील गोयल, बाल कल्याण समिति की पूर्व सदस्य मनीषा केडिया, चिड़ावा डीएसपी विकास धींधवाल, सूरजगढ़ सीआई रणजीत सेवदा, महेश आजाद, रामानंद शर्मा शिमला, रिटायर्ड एसआई बाबूलाल सैनी, टीएम खान आदि गणमान्यजन मौजूद थे।

यह केवल पानी का समझौता नहीं, देश के लिए मिसाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने अपने संबोधन का केंद्र बिंदु यमुना जल समझौते को बनाया। उन्होंने कहा कि लगभग तीन दशक से लंबित इस विषय को सुलझाना आसान नहीं था। यह केवल दो राज्यों के बीच पानी का बंटवारा नहीं, बल्कि विश्वास, सहमति और राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और राजस्थान के बीच लंबे समय से चली आ रही बातचीत को केंद्र सरकार की पहल से नया रास्ता मिला। गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की मध्यस्थता में दोनों राज्यों ने जिस प्रकार सहमति बनाई। वह पूरे देश के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि अन्य राज्यों के बीच जल विवाद होंगे तो यमुना जल समझौता एक मॉडल के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शेखावाटी की जनता की सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि समझौता कब हुआ। बल्कि यह है कि पानी कब पहुंचेगा। सरकार इस चिंता को समझती है। उन्होंने बताया कि तीन सौ किलोमीटर से अधिक लंबी पाइपलाइन, भूमि अधिग्रहण, तकनीकी स्वीकृतियां और निर्माण जैसे कार्यों में समय अवश्य लगेगा, लेकिन परियोजना पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेगी। अपने भाषण में उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि 'मोदी है तो मुमकिन है। शेखावाटी तक यमुना का पानी हर हाल में पहुंचेगा और झुंझुनूं, सीकर तथा चूरू की वर्षों पुरानी प्यास जरूर बुझेगी।'

जल समझौता दशकों की प्रतीक्षा का परिणाम : डॉ. अरुण चतुर्वेदी

राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि शेखावाटी का इतिहास संघर्ष का रहा है। यहां के लोगों ने सीमित संसाधनों में भी शिक्षा, उद्योग और सेना में देशभर में पहचान बनाई, लेकिन पानी की कमी हमेशा इस क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती रही। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में पहली बार यमुना जल समझौते की दिशा में प्रयास हुए थे, लेकिन वह धरातल पर नहीं उतर सके। इसके बाद कई वर्षों तक यह विषय राजनीतिक चर्चाओं तक सीमित रहा। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से समझौते को नया जीवन मिला है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत पाइपलाइन के माध्यम से पानी सबसे पहले राजगढ़-सादुलपुर क्षेत्र तक पहुंचेगा और वहां से झुंझुनूं, सीकर एवं चूरू जिले में वितरण किया जाएगा। उन्होंने इसे केवल पेयजल परियोजना नहीं, बल्कि आने वाले दशकों में शेखावाटी के आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार बताया। डॉ. चतुर्वेदी ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बिजली, सौर ऊर्जा, रोजगार, शिक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं मजबूत होने से उद्योगों का विस्तार होगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

डबल इंजन सरकार ने विकास को दी नई गति, पानी का सपना होगा साकार : जोराराम कुमावत

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता के कारण राजस्थान विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि योजनाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना है। उन्होंने कहा कि बिजली, पेयजल, सड़क, कृषि, पशुपालन और ग्रामीण विकास जैसे प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं, जिनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता ऐतिहासिक उपलब्धि है। वर्षों से जिस पानी का इंतजार किया जा रहा था, उसे साकार करने की दिशा में अब ठोस कदम उठ चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सतत प्रयासों से हरियाणा के साथ हुआ यह समझौता क्षेत्र की तस्वीर बदलने वाला साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि परियोजना पूरी होने के बाद झुंझुनूं, सीकर और चूरू सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र को स्थायी पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे आमजन के जीवन के साथ कृषि और उद्योग को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

चोपदार ने भी कहा–अब घोषणाएं नहीं, धरातल पर दिखे पानी

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट एमडी चोपदार ने अपने संबोधन में कहा कि शेखावाटी की जनता वर्षों से पानी का इंतजार कर रही है। उन्होंने यमुना जल समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि यह परियोजना तेजी से आगे बढ़े और लोगों को इसका लाभ मिले। उन्होंने कहा कि यदि पानी नहर के माध्यम से आता तो भूजल स्तर को भी लाभ मिलता, लेकिन अब पाइपलाइन के माध्यम से ही सही, जनता तक पानी पहुंचना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां से आग्रह किया कि हरियाणा और केंद्र सरकार में उनकी भूमिका को देखते हुए वे इस परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि चुनावी घोषणा बनकर न रह जाए बल्कि जल्द से जल्द धरातल पर दिखाई दे। चोपदार ने झुंझुनूं जिले में बड़े उद्योग लगाने की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पानी आने के साथ यदि औद्योगिक निवेश भी बढ़ेगा तो युवाओं का पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि समाज में मीडिया की भूमिका लगातार बदल रही है। उन्होंने कहा कि केवल नकारात्मक खबरें दिखाना पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं हो सकता। मीडिया को उन लोगों और संस्थाओं को भी सामने लाना चाहिए जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जी राजस्थान का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में ऐसे संवाद आयोजित किए जाएं, जहां सरकार, समाज और विशेषज्ञ एक मंच पर बैठकर विकास के मुद्दों पर खुलकर चर्चा करें।

कोटा के लिए स्थायी सेवा प्रोजेक्ट विकसित करेंगे: रमेश शर्मा

● राजस्थान दर्शन

कोटा। लायंस क्लब कोटा के नवीन सत्र 2026-27 के लिए आयोजित गरिमामय इंस्टॉलेशन समारोह में रमेश शर्मा ने अध्यक्ष पद की शपथ लेकर क्लब की नई कार्यकारिणी का नेतृत्व संभाला। उनके साथ सचिव लक्ष्मीकांत पारीक एवं कोषाध्यक्ष विजय काबरा ने कॉलर एक्सचेंज के साथ पदभार ग्रहण किया, जबकि 35 सदस्यीय कार्यकारिणी ने विधिवत शपथ लेकर अपने दायित्व स्वीकार किए। समारोह में इंस्टॉलेशन ऑफिसर पीडीजी एमजेएफ अनिल नाहर ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। की-नोट स्पीकर के रूप में पीएमसीसी सुनील डी. वोरा (महाराष्ट्र) उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में वीडीजी प्रथम सी.पी. विजयवर्गीय एवं वीडीजी द्वितीय जितेंद्र मित्तल शामिल रहे। समारोह में क्लब के पूर्व अध्यक्ष, निवर्तमान पदाधिकारी, लायन सदस्य, लायनेस सदस्याएं तथा शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वीडियो कॉल के माध्यम से नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश शर्मा एवं नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं जनसेवा को समर्पित कार्यकाल की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में 15 से अधिक सदस्यों ने मेल्विन जोन्स फेलो (एमजेएफ) बनने की स्वीकृति प्रदान कर सेवा कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इंस्टॉलेशन ऑफिसर पीडीजी एमजेएफ अनिल नाहर ने नई कार्यकारिणी को सेवा, अनुशासन और संगठनात्मक मूल्यों के अनुरूप कार्य करने का संकल्प दिलाया। वहीं वीडीजी प्रथम सी.पी. विजयवर्गीय ने कहा कि क्लब को गत वर्ष की 1264 सेवा गतिविधियों से भी आगे बढ़कर कार्य करना होगा। प्रत्येक सेवा गतिविधि का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही क्लब का लक्ष्य होना चाहिए। शपथ ग्रहण के बाद अपने प्रथम संबोधन में अध्यक्ष रमेश शर्मा ने कहा कि लायंस क्लब का मूल मंत्र 'वी सर्वर (हम सेवा करते हैं) उनके पूरे कार्यकाल का मार्गदर्शक रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, युवा सशक्तिकरण, रक्तदान, नेत्र चिकित्सा तथा जरूरतमंदों की सहायता से जुड़े सेवा प्रकल्पों को नई गति दी जाएगी।

भारतीय संस्कृति के अनुसार पूर्व तहसीलदार ने अपना जन्मदिन मनाया

होनहारो का चयन राजकीय सेवा में होने पर प्रतिष्ठित पत्र देकर किया सम्मान

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी एवं बुद्धिजीवी व गणमान्य लोगों ने सैनी को दी बधाई

● राजस्थान दर्शन

उदयपुरवाटी। बड़ागांव निवासी पूर्व तहसीलदार मंगल चन्द सैनी ने कस्बे के सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में अपना 69 वाँ जन्मदिन धूमधाम से मनाया जन्मदिन पर केक काटने के बजाय 11 दीपक जलाए।भारतीय संस्कृति को जीवित रखने वाले 25 वरिष्ठ नागरिकों को धोती भेंट की गई ।21 महिलाओं को गमले में तैयार किए गए तुलसी के पौधे भेंट किए गए ।पंचायत में जिन 21 होनहारों का चयन राजकीय सेवाओं में हुआ है उन्हें मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।खिलाड़ियों को नेट व बॉल देकर खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया साथ ही विद्यार्थी जिनके अच्छे अंक आए हैं उन्हें कॉपी पेन देकर पुरस्कृत किया ।मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने सैनी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की ।विशिष्ट अतिथि कैलाश केशरी अस्पताल के मालिक डा कमल चन्द सैनी सरस्वती स्कूल के मानसिंह सुभाष खैरवा पूर्व प्रधानाचार्य मूलचंद गुजर राष्ट्रपति पदक अवार्डी पूर्व शिक्षक रामजीलाल बुगालिया एसडीआर स्कूल डायरेक्टर एमपी महला प्रजापिता बीके साक्षी बहन पूर्व जिला परिषद सदस्य अजय भालोटिया ने भी संबोधित किया ।अध्यक्षीय उद्बोधन मूलचंद गहन ने दिया ।मंच संचालन संगीता सैनी व डा ओपी सैनी ने सैनी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा राजकीय सेवा के दौरान सादगी पूर्ण व्यवहार व वर्तमान में समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से जानकारी दी ।पूर्व तहसीलदार सैनी ने आगंतुकों का अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सर्व समाज के सैंकड़ो गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

समाजसेवा के साथ धर्म प्रभावना को भी दें प्राथमिकता: आर्यिका स्वस्ती भूषण माताजी

'स्मार्ट परिवार कार्यशाला' को फेडरेशन के प्रकल्पों में शामिल करें : आर्यिका श्री

● राजस्थान दर्शन

कोटा। परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्ती भूषण माताजी के सान्निध्य में जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन एवं नॉर्दर्न रीजन जोन-6 के पदाधिकारियों ने भेंट कर श्रीफल अर्पित किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व फेडरेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष बिरेन के. शाह ने किया। पूर्व संयुक्त सचिव अनिल काला ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कमल संचेती,नॉर्दन रीजन के पदाधिकारी सुनील पहाड़िया, नॉर्दर्न रीजन के पूर्व वाइस चेयरमैन मनीष जैन, विनोद टोरडी,नरेश जैन वेद,मनोज जैसवाल कपिल आगम,सुशील बिलाला, सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आर्यिका 105 श्री स्वस्ती भूषण माताजी ने कहा कि जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन विश्वभर में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है, लेकिन अब समय की आवश्यकता है कि सेवा गतिविधियों के साथ आध्यात्म, भक्ति और धर्म प्रभावना को भी संगठित रूप से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकल्प और कार्यक्रम संचालित किए जाएं, जिनसे समाज विशेषकर नई पीढ़ी जैन धर्म के सिद्धांतों, संस्कारों और जीवन मूल्यों से जुड़ सके तथा धर्ममार्ग पर अग्रसर हो। माताजी ने अपने मार्गदर्शन में संचालित 'स्मार्ट परिवार कार्यशाला' को फेडरेशन की गतिविधियों में शामिल करने का सुझाव देते हुए कहा कि यह प्रकल्प परिवारों में संस्कार, संवाद, पारिवारिक मूल्यों एवं वैवाहिक जीवन की मजबूती के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि फेडरेशन इस कार्यशाला के माध्यम से समाज में टूटते रिश्तों, पारिवारिक विघटन और वैवाहिक जीवन की चुनौतियों के समाधान के लिए प्रभावी पहल कर सकता है। आवश्यकता पड़ने पर वे स्वयं भी ऐसे आयोजनों में उपस्थित होकर लोगों को प्रेरित करेंगी। आर्यिका श्री ने जैन समाज से जुड़े विभिन्न पेशेवर वर्गों–डॉक्टरों, इंजीनियरों, अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स तथा अन्य विशेषज्ञों–का एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का भी सुझाव दिया, जिससे समाज की बौद्धिक एवं व्यावसायिक क्षमता को सेवा और संगठन के कार्यों से जोड़ा जा सके। फेडरेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष बिरेन के. शाह ने आर्यिका श्री के सभी सुझावों को करबद्ध स्वीकार करते हुए कहा कि फेडरेशन के विश्व में 70 हजार दम्पिती सदस्य है जिनके सहयोग से संगठन समाजसेवा के साथ आध्यात्मिक एवं संस्कार आधारित गतिविधियों को भी अपनी प्राथमिकता बनाएगा। उन्होंने 'स्मार्ट परिवार कार्यशाला' सहित विभिन्न प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने तथा पेशेवर सम्मेलन आयोजित करने की दिशा में शीघ्र पहल करने का विश्वास दिलाया।

संक्षिप्त-समाचार

'नेक कार्य किए जाने पर बड़ी उपलब्धि अर्जित' : युवा प्रतिभाशाली आशिष रूथला विशेष अवार्ड से हुए सम्मानित

● राजस्थान दर्शन

पिलानी। कैलाशपति रूथला की विशेष रिपोर्ट हर एक व्यक्ति के द्वारा उसकी नेक कार्य शैली पर किए गए कार्य के ऊपर विशेष अवार्ड से सम्मानित किया जाना हर क्षेत्र में मानव की बड़ी उपलब्धि अर्जित करने पर व्यापार जगत में समय-समय पर महिला, पुरुषों को बड़े-बड़े सम्मान से सम्मानित होते हुए हैं देखा जाता है। ठीक इसी तरह आज शेखावाटी के वीर सपूत होनहार प्रतिभाशाली कर्मठ कार्यकर्ता आशीष रूथला को अडानी अग्री ग्रुप के द्वारा संस्थान प्रमुख ख्याति प्राप्त बिजनेस हेड श्री युक्त पंकज भारद्वाज के कर कमलो के द्वारा पांच सितारा' होटल हयात रैजिडेंसी अहमदाबाद' के विशाल सभागार में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया यह सामान हर वर्ष की भांति इस बार भी अडानी एग्री ग्रुप के द्वारा श्रेष्ठ कार्य किए जाने पर लॉजिस्टिक टीम, एक्सीलेंस ,ट्रांसपोर्ट नेटवर्किंग ,कार्य में संतोष जनक बड़ी उपलब्धि अर्जित करने पर होनहार युवा प्रतिभाशाली आशीष रूथला को प्रदान किया जाता है। नेक कार्य पर सम्मान पाए जाने पर ख्याति प्राप्त गणमान्य जनों ने बधाइयां प्रेषित की।

करौली पुलिस का नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार, 24 घंटे में 2 तस्कर गिरफ्तार 1.10 लाख की स्मैक और 60 हजार रुपये का गांजा बरामद, नकदी भी जब्त

● राजस्थान दर्शन

करौली। पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल आईपीएस के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टोडाभीम पुलिस ने लगातार दो बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1.10 लाख रुपये मूल्य की स्मैक, 60 हजार रुपये मूल्य का गांजा तथा 91,800 रुपये नकद बरामद किए हैं। पहली कार्रवाई में शनिवार को थानाधिकारी अध्यात्म गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गश्त के दौरान मेहंदीपुर बालाजी निवासी गिर्राज पुत्र बद्रीलाल मीना (40) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 5.68 ग्राम अवैध स्मैक और 84,850 रुपये नकद बरामद हुए। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 10 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं दूसरी कार्रवाई में 11 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने माननोट निवासी सोमोत्या पुत्र मिस्र मीना (55) को श्मशान घाट के पास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 1.186 किलोग्राम अवैध गांजा तथा 6,950 रुपये नकद बरामद किए गए। बरामद गांजे का बाजार मूल्य करीब 60 हजार रुपये बताया गया है। मामले की जांच नादौती थाना प्रभारी निरीक्षक ओमेन्द्र सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल आईपीएस ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नशे के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

सीलौती-काछीपुरा से रूध का पुरा लिंक सड़क निर्माण की मांग तेज, ग्रामीणों ने विधायक से शीघ्र स्वीकृति की लगाई गुहार

● राजस्थान दर्शन

करौली। करौली विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सीलौती के ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित सीलौती-काछीपुरा से रूध का पुरा लिंक सड़क निर्माण को शीघ्र स्वीकृति दिलाने की मांग उठाई है। इस संबंध में करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर को संबोधित एक ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने का आग्रह किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित लिंक सड़क क्षेत्र के अनेक गांवों को सीधे हिंडौन मुख्य सड़क से जोड़ेगी, जिससे हजारों लोगों को आवागमन, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि कार्य एवं दैनिक आवश्यकताओं के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। यह सड़क लंबे समय से क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित मांग बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण को लेकर सरपंच प्रतिनिधि, पंच-पटेल एवं विभिन्न गांवों के लोग कई बार जनप्रतिनिधियों से मिलकर मांग रख चुके हैं। क्षेत्रवासियों को विश्वास है कि विधायक के प्रयासों से यह लंबित मांग शीघ्र पूरी होगी। ग्रामीणों ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के अंतिम चरण में इस महत्वपूर्ण लिंक सड़क को स्वीकृति देकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाता है तो यह हजारों ग्रामीणों के लिए ऐतिहासिक एवं जनहितकारी सौगात साबित होगी। ग्राम पंचायत सीलौती के नागरिकों ने विधायक से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सड़क निर्माण प्रस्ताव को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कराने एवं शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने की मांग की है।

राजस्थान में कक्षा 9 से 12 तक प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 25 जुलाई तक होंगे प्रवेश

● राजस्थान दर्शन

करौली। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर ने राज्य के राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों में नामांकन अभिवृद्धि तथा विद्यालय से बाहर रह गए (ड्रॉपआउट) विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से कक्षा 9 से 12 तक प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। निदेशक माध्यमिक शिक्षा द्वारा जारी आदेश के अनुसार पूर्व में 11 जुलाई 2026 निर्धारित अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 25 जुलाई 2026 कर दिया गया है। यह निर्णय अधिक से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश के अनुसार कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों का प्रवेश अब 25 जुलाई 2026 तक किया जा सकेगा, जबकि कक्षा 1 से 8 तक प्रवेश की प्रक्रिया पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान जारी रहेगी। निदेशालय ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों, जिला शिक्षा अधिकारियों, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों, समग्र शिक्षा अधिकारियों तथा विद्यालय प्रधानों को निर्देश दिए हैं कि विस्तारित अवधि में अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यालय से बाहर रह गए बच्चों को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। यह निर्णय विशेष रूप से ड्रॉपआउट एवं अनामांकित बच्चों को शिक्षा का अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

खोह नागोरियान पुलिस ने नकबजनी का किया खुलासा, दो शातिर चोर गिरफ्तार

राजस्थान दर्शन

जयपुर। पूर्व के खोह नागोरियान थाना पुलिस ने नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर नकबजनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 6 घरेलू गैस सिलेंडर, एक एलईडी टीवी और 5,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। वारदात में इस्तेमाल की गई मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स कार भी जब्त की गई है। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के निर्देश और डीसीपी रंजीता शर्मा के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एडीसीपी आलोक सिंघल, एसीपी विनोद शर्मा तथा थानाधिकारी प्रकाश बिश्नोई की टीम ने तकनीकी एवं पारंपरिक पुलिसिंग के जरिए इस कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करौली निवासी विमलेश मीना (26) और जनकराज मीना (30) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ पहले से भी चोरी और नकबजनी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिन में सूने मकानों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही ताला तोड़कर जेवर, नकदी, गैस सिलेंडर, इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित कीमती वस्तुएं चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान सस्ते दामों में बेचकर मिली रकम से नशा और मौज-मस्ती करते थे। इस कार्रवाई में खोह नागोरियान थाना की स्पेशल टीम के कांस्टेबल धीरज और बजरंग लाल की विशेष भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

वैशाली नगर थाना पुलिस ने कॉपर वायर चोरी करने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश

राजस्थान दर्शन

जयपुर। पश्चिम के वैशाली नगर थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों से कॉपर वायर, बिजली फिटिंग का सामान और लाइट की तार चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया कॉपर सामान और बिजली की तारें भी बरामद की हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण (आईपीएस) ने बताया कि विजयद्वार क्षेत्र स्थित एक निर्माणाधीन मकान से करीब 4 से 4.5 लाख रुपये के कॉपर वायर और बिजली फिटिंग का सामान चोरी होने का मामला दर्ज हुआ था। घटना के बाद वैशाली नगर थाना पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और लगातार दबिश देकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महेश कुमार मीणा (29), हंसराज मीणा (28) और निजाम खान (39) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बिजली फिटिंग का काम करने के बहाने निर्माणाधीन मकानों की रेकी करते थे। रात के समय खाली मकानों में घुसकर कॉपर वायर और अन्य बिजली का सामान चोरी कर कबाड़ियों को बेच देते थे। पुलिस अब आरोपियों से अन्य थाना क्षेत्रों में हुई इसी तरह की चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई को वैशाली नगर थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने अंजाम दिया।

भाजपा सरकार का 'मुखौटा बेनकाब' करेगा कांग्रेस सेवादल, 23 जुलाई को दिल्ली में होगा महासम्मेलन

राजस्थान दर्शन

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस सेवादल ने भाजपा सरकार के खिलाफ संगठनात्मक स्तर पर आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। रविवार को जयपुर में आयोजित विस्तारित कार्यकारिणी बैठक में संगठन विस्तार, जनसरोकार के मुद्दों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में 23 जुलाई को दिल्ली में होने वाले अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के महासम्मेलन को सफल बनाने का भी संकल्प लिया गया। बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल में जनता बिजली, पानी और रोजगार जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता सरकार की नीतियों को जनता के बीच लेकर जाएंगे और सरकार का 'मुखौटा बेनकाब' करेंगे। उन्होंने बताया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए जल्द ही गतिविधियों का कैलेंडर जारी किया जाएगा। इसी के अनुरूप प्रदेशभर में कार्यक्रम आयोजित कर संगठन को सक्रिय किया जाएगा। बैठक में नीट पेपर लीक प्रकरण में आत्महत्या करने वाले छात्रों को न्याय दिलाने का संकल्प भी लिया गया। इस मुद्दे पर विरोध दर्ज कराने के लिए रविवार शाम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से शहीद स्मारक तक कैंडल मार्च निकालने का निर्णय किया गया। हेम सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस सेवादल आजादी से पहले से संगठन के रूप में सक्रिय रहा है। आगामी निकाय और पंचायत चुनाव में पार्टी नेतृत्व जो भी जिम्मेदारी देगा, उसे पूरी मजबूती से निभाया जाएगा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 23 जुलाई को दिल्ली के लाल कोटला (कटोरा) स्टेडियम में अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल का महासम्मेलन आयोजित होगा। इसमें राजस्थान से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कांग्रेस सेवादल ने प्रदेशभर में जनसंपर्क अभियान चलाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता के बीच जाने का निर्णय लिया।

आरजीएचएस में ओपीडी जांच के लिए कल से नए नियम

2 हजार रुपए तक की जांच के लिए मंजूरी जरूरी नहीं

राजस्थान दर्शन

जयपुर। सरकारी कर्मचारियों के लिए राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला किया है। आरजीएचएस के तहत ओपीडी में रूटीन जांच को लेकर राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने नई गाइडलाइन जारी की है, जो 13 जुलाई यानी सोमवार से लागू हो जाएगी। नई व्यवस्था के तहत अब मरीज ओपीडी में डॉक्टर की लिखी गई 2 हजार रुपए तक की रूटीन जांचों को सीधे करा सकेगा। इसके लिए अस्पताल या डायग्नोस्टिक सेंटर को आरजीएचएस पोर्टल से पहले अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। 2 हजार रुपए से ज्यादा की जांचों के लिए अस्पताल या डॉक्टर को पहले आरजीएचएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अनुमति मिलने के बाद ही जांच हो सकेगी। नई व्यवस्था में मंजूरी के लिए समय सीमा भी तय कर दी गई है। एजेंसी टीपीए (थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर) को तत्काल जांच के लिए आवेदन के एक घंटे में अप्रूवल देना पड़ेगा, जबकि सामान्य जांच के लिए 3 घंटे में अप्रूवल देना पड़ेगा। अगर इस अवधि अप्रूवल नहीं आया तो आवेदन अपने आप स्वीकृत माना जाएगा।

इमरजेंसी मरीजों को मिलेगी राहत

सरकार ने इमरजेंसी मरीजों को इस प्रक्रिया से राहत दी है। नई गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि इमरजेंसी की स्थिति में प्री-अथॉराइजेशन यानी पूर्व अनुमति की जरूरत नहीं होगी। ऐसे मामलों में मरीज की स्थिति देखते हुए डॉक्टर तुरंत आवश्यक जांच करा सकेंगे। हालांकि बाद में अस्पताल या डॉक्टर को मरीज से जुड़े सभी जरूरी क्लिनिकल दस्तावेज, मेडिकल रिकॉर्ड और जांच कराने का कारण आरजीएचएस पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नई गाइडलाइन के अनुसार, ओपीडी जांचों की मंजूरी प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और तेज बनाने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है।

इन संस्थानों को करना होगा पालन

सरकार ने निर्देश दिए हैं कि सभी लिस्टेड सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल, डायग्नोस्टिक सेंटर, थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर और अन्य संबंधित संस्थाएं इन निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

आरजीएचएस योजना क्या है

राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम राज्य सरकार की कैशलेस स्वास्थ्य योजना है। इस योजना के तहत पात्र सरकारी कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके आश्रितों को लिस्टेड सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज की सुविधा मिलती है। योजना के तहत ओपीडी और आईपीडी इलाज, विभिन्न जांच, दवाइयां, सर्जरी और कई अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ निर्धारित नियमों के अनुसार दिया जाता है। इलाज और जांच की पूरी प्रक्रिया आरजीएचएस पोर्टल से संचालित होती है। इससे मंजूरी, भुगतान और रिकॉर्ड का डिजिटल प्रबंधन किया जाता है।

सामान्य ज्ञान की परीक्षा में 56.88 प्रतिशत व सामाजिक विज्ञान परीक्षा में 56.09 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई

जिला कलेक्टर के नेतृत्व में परीक्षा के निष्पक्ष, सफल संचालन हेतु की जारी है सूक्ष्मता से निगरानी

रविवार को आयोजित परीक्षा में जिला कलेक्टर सहित विभिन्न अधिकारियों ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

राजस्थान दर्शन

फाईल फोटो

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2025 (माध्यमिक शिक्षा विभाग) का आयोजन जयपुर जिले में 12 से 18 जुलाई, 2026 तक निर्धारित कार्यक्रम अनुसार किया जा रहा है। रविवार को आयोजित सामान्य ज्ञान की परीक्षा में कुल पंजीकृत 62892 परीक्षार्थियों में से 35774 उपस्थित रहे वहीं 27118 अनुपस्थित रहे इस प्रकार 56.88 प्रतिशत परीक्षार्थी उक्त परीक्षा में उपस्थित रहे। शाम की पारी में आयोजित सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में कुल पंजीकृत 62892 परीक्षार्थियों में से 35277 उपस्थित रहे वहीं 27615 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल उपस्थिति 56.09' परीक्षार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। परीक्षा के शांतिपूर्ण निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिला कलेक्टर संदेश नायक के नेतृत्व में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जयपुर शहर पूर्व व परीक्षा के जिला समन्वयक अधिकारी नरेंद्र कुमार वर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अलोक चंद्र शर्मा व अन्य दलों द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा के निष्पक्ष संचालन हेतु सघन मॉनिटरिंग की। परीक्षा के जिला समन्वयक अधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा के निष्पक्ष, शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा गठित निगरानी दलों द्वारा परीक्षा केंद्रों पर जाकर सूक्ष्मता से निगरानी रखी जा रही है ।रविवार को आयोजित परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई है।

जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 8.6 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

राजस्थान दर्शन

जयपुर। पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप और एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 किलो 600 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा बिक्री के 87 हजार रुपये नकद, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पैकिंग सामग्री, स्टेपलर और गांजा सप्लाई में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बलविंद्र जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में मोटरसाइकिल से गांजा सप्लाई करता था। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि उसके भाई-बहन भी इस अवैध कारोबार में सहयोग करते हैं। आरोपी के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं तथा वह सट्टा खेलने और खिलाने का भी काम करता है। डीसीपी ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत पुलिस टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान यह कार्रवाई की। आरोपी से गांजा की सप्लाई चेन और अन्य तस्करों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत 3 प्रकरण दर्ज कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में 1 प्रकरण दर्ज कर 1 आरोपी गिरफ्तार किया गया। वहीं 170 बीएनएसएस के तहत 36 लोगों को गिरफ्तार कर पाबंद भी कराया गया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अजय सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक और सहायक पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह राणावत के सुपरविजन में थाना प्रभारी हरिओम सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने की।

जयपुर में मारपीट कर दोस्त को ही लूटा

दो युवकों ने साथियों से मिलकर डंडे से पैर तोड़े

राजस्थान दर्शन

जयपुर। जयपुर में साथियों के हमला कर अपने ही एक दोस्त से लूट करने का मामला सामने आया है। डंडे से मारपीट कर हमलावर साथियों ने उसके पैर तोड़ दिए। घायल कर उसकी बाइक छीनकर फरार हो गए। करणी विहार थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर हमलावर साथियों की तलाश शुरू कर दी है।

बाइक से घर लौट रहा था

हेड कॉन्स्टेबल राधेश्याम ने बताया- पांच्यावाला निवासी राजेश मेहरा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनके बेटे मिथलेश पर उसके साथियों ने हमला कर लूट की वारदात की है। शाम करीब 6:30 बजे मिथलेश कनकपुरा रेलवे स्टेशन स्थित श्मशान के पास से बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान उसके जानकार साथी मयंक व युवराज ने अपने दोस्तों के साथ मिथलेश को रोक लिया।

बाइक छीनकर फरार हो गए

बीच रास्ते रोककर डंडे से हमला कर रोड पर गिरा लिया। मारपीट कर मिथलेश के दोनों पैर तोड़ डाले। घायल करने के बाद हमलावर दोस्त उसकी बाइक छीनकर फरार हो गए। जैसे-तैसे सूचना पर घायल मिथलेश को इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया गया। करणी विहार थाना पुलिस ने घायल मिथलेश के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया। पुलिस जांच के साथ हमलावरों की तलाश कर रही है।

अजमेर में 13 लाख 60 हजार की फेक करेंसी बरामद

राजस्थान दर्शन

जयपुर। पुलिस ने नकली नोटों के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए रविवार को एक आरोपी के साथ 13 लाख 60 हजार रुपये नकली नोट बरामद किए हैं. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की है. प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया है कि आरोपी घर में ही प्रिंटर पर नकली नोट छपता था या किसी और से नोट लेकर बाजार में चलाता था, फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है. दरगाह क्षेत्र में सीओ लक्ष्मण राम ने बताया कि 11 जुलाई को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि बड़ी नागफणी में घी मंडी के पास प्रिंस हिल्स कॉलोनी निवासी विक्रम जॉन वेल्डिंग का काम करता है. वह अपने पास नकली नोट रखता है. इस वक्त उसके पास नकली नोट हैं और वह प्रिंस हिल्स कॉलोनी में सरकारी स्कूल के पास खड़ा है. उसके हाथ में आसमानी रंग का बैग है और वह किसी साथी का इंतजार कर रहा है। सीओ ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी विक्रम जॉन को पकड़ा और उससे पूछताछ की. आरोपी विक्रम जॉन के बैग की तलाशी ली गई तो उसमें 13 लाख 60 हजार रुपये नकली नोट मिले जो कागज की शीटों पर छपे हुए थे. आरोपी विक्रम जॉन से पूछताछ में बताया कि सभी नोट नकली हैं. आरोपी से नकली नोट बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपी को बीएनएस की धारा 178, 179 और 180 के तहत गिरफ्तार किया गया है. दरगाह थाना प्रभारी दिनेश जीवनानी ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया है कि आरोपी को नकली नोटों की यह रकम किसी अन्य व्यक्ति ने बाजार में चलाने के लिए दी थी. आरोपी से अज्ञात व्यक्ति के बारे में पूछताछ की जा रही है. साथ ही आरोपी से यह भी पूछताछ हो रही है कि उसने पहले कितनी बार और कहां-कहां नकली नोट कितनी संख्या में चलाए हैं. आरोपी से बरामद 13 लाख 60 हजार रुपये के सभी नकली नोट 500-500 के हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया 'स्वाधीनता की दास्तान' पुस्तक का विमोचन

राजस्थान दर्शन

जयपुर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास पर प्रख्यात लेखक धर्मपाल गाँधी द्वारा लिखित शोधपरक पुस्तक 'स्वाधीनता की दास्तान' का विमोचन राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने जयपुर में किया। वर्तमान अंकुर प्रकाशन, नोएडा द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास, राष्ट्रीय चेतना और महात्मा गाँधी के नेतृत्व में चले जनआंदोलनों का व्यापक एवं प्रामाणिक दस्तावेज़ मानी जा रही है। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य रणजीत सिंह चंदेलिया, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, झुंझुनू के जिलाध्यक्ष विजय मील, शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनजीत सिंह तंवर, लेखक धर्मपाल गाँधी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुस्तक का विमोचन करते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि 'स्वाधीनता की दास्तान' पुस्तक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज़ है। यह पुस्तक केवल आज़ादी के संघर्ष का इतिहास नहीं, बल्कि उस दौर की राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक जागरण और राष्ट्र निर्माण की विचारधारा का भी प्रामाणिक चित्र प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे शोधपरक साहित्य से नई पीढ़ी स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा प्राप्त करेगी तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को बेहतर ढंग से समझ सकेगी। उन्होंने लेखक धर्मपाल गाँधी के शोधपूर्ण प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक इतिहास प्रेमियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और सामान्य पाठकों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनजीत सिंह तंवर ने कहा कि 'स्वाधीनता की दास्तान' पुस्तक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के नेतृत्व में संचालित राष्ट्रीय आंदोलनों तथा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख घटनाओं पर आधारित एक महत्वपूर्ण शोधपरक कृति है। इसमें ऐतिहासिक तथ्यों और प्रामाणिक स्रोतों के आधार पर स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न चरणों को सरल एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में किसानों, मजदूरों, दलितों, वंचितों एवं शोषित वर्ग के उत्थान के लिए महात्मा गाँधी द्वारा किए गए प्रयासों के साथ-साथ शिक्षा, स्वच्छता, हिन्दू-मुस्लिम एकता, छुआछूत उन्मूलन, महिला उत्थान, ग्राम स्वराज और सामाजिक समरसता जैसे विषयों को भी समाहित किया गया है। उन्होंने बताया कि 'स्वाधीनता की दास्तान' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर लेखक धर्मपाल गाँधी की छठी पुस्तक है, जिसका संपादन अंजू गाँधी ने किया है। इससे पूर्व उनकी पुस्तकें 'हिन्द की क्रांतिकारी बेटियाँ', 'आजादी के दीवाने', 'क्रांति का आग़ाज़', 'आजादी की राहों में' तथा 'इन्कलाब' प्रकाशित होकर व्यापक सराहना प्राप्त कर चुकी हैं। लेखक धर्मपाल गाँधी लंबे समय से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले आंदोलनों तथा स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों पर शोध कर रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विश्वास व्यक्त किया कि 'स्वाधीनता की दास्तान' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अध्ययन में एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ के रूप में स्थापित होगी तथा विद्यार्थियों, शोधार्थियों और इतिहास के गंभीर अध्येताओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

● अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है।

यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विज़न महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड—ये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा।

सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा।

यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है।

यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों, सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है।

दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूज़ीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूज़ीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते की वार्ताओं को मिली नई गति है। न्यूज़ीलैंड ने भारतीय सामानों, विशेषकर कृषि-प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के लिए अपने बाजारों में पूरी तरह से शुल्क-मुक्त या रियायती पहुंच प्रदान करने के रोडमैप पर सहमति जताई है। इसके बदले में भारत न्यूज़ीलैंड की उन्नत डेयरी तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण और महासागर अनुसंधान की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकेगा। खेल, संस्कृति, पर्यटन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हस्ताक्षरित कई समझौता ज्ञापनों ने इस साझेदारी को केवल सरकारी गलियारों तक सीमित न रखकर जनता से जनता के जुड़ाव में बदल दिया है।

इस त्रिकोणीय यात्रा के भू-राजनीतिक निहितार्थों को समझे बिना इसका मूल्यांकन अधूरा रहेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता और कर्ज के जाल वाली कूटनीति के बीच, भारत ने इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के साथ मिलकर एक वैकल्पिक, नियम-आधारित और पारदर्शी व्यवस्था का खाका खींचा है। भारत की यह कूटनीति किसी देश के विरोध में नहीं, बल्कि 'समावेशी और खुले हिंद-प्रशांत' के पक्ष में है। भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह वैश्विक मंच पर केवल एक दर्शक नहीं, बल्कि एजेंडा तय करने वाला देश है।

प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर से मिले 35 सर्वोच्च नागरिक सम्मान और इस दौरे के दौरान दक्षिण-पूर्वी एशिया व प्रशांत देशों में मिला अभूतपूर्व सम्मान यह दिखाता है कि भारत किस तरह 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन चुका है। भारत वैश्विक विनिर्माण और 5त्न/6त्न जैसी स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के दम पर दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, और यह दौरा उसी संकल्प को गति देने वाला ईंधन है।

संपादकीय दृष्टिकोण से देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीन देशों का दौरा भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' और व्यावहारिक कूटनीति का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। भारत ने एक ही यात्रा में रक्षा निर्यात के नए बाजारों को साधा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए यूरेनियम का इंतजाम किया और भविष्य के डिजिटल उद्योगों के लिए खनिजों की क्रेडिबल सप्लाई चेन तैयार कर ली।

यह दौरा घरेलू राजनीति के संकीर्ण चश्मे से परे जाकर राष्ट्र-निर्माण के उस महायज्ञ का हिस्सा है, जहां विदेश नीति सीधे तौर पर देश के आम नागरिक के जीवन, रोजगार और सुरक्षा को प्रभावित करती है। साबांग बंदरगाह से लेकर मेलबर्न के कॉर्पोरेट बोर्डरूम और ऑकलैंड के नीतिगत गलियारों तक, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी का भारत 'जियो-पॉलिटिक्स' और 'जियो-इकोनॉमिक्स' के वैश्विक रंगमंच पर एक नायक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अखबारों के पन्नों पर इस यात्रा की सफलता को केवल तात्कालिक समझौतों के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले स्वर्णिम भारत के उस वैश्विक शिलान्यास के रूप में याद रखा जाएगा, जिसकी गूंज पूरे हिंद-प्रशांत महासागर में सुनाई दे रही है।

राज्य परीक्षा केंद्र

डिजीटल से एआई विश्वविद्यालयों तक की यात्रा का अहम पड़ाव आईटी पार्क हो सकते हैं। नए विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थानों के बजाय पढ़े-लिखे बच्चों की ऊर्जा का सदुपयोग तब होगा, यदि उन्हें आगे बढने के अवसर दिए जाएं। ऐसे में स्टार्टअप की तरफ रुझान पैदा करने के दृष्टिगत नए संकल्प चाहिएं।

एक मुश्किल पर्यटन की आभा में परीक्षाओं के केंद्र भी दिखाई देते हैं, जहां प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में प्रवेश या प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं के संदर्भ युवा वर्ग को भ्रमण की अनिवार्यता का संदेश देते हैं। ऐसी परीक्षाओं के केंद्र तकनीकी तौर पर आई टी सुविधाओं से सुसज्जित तथा वातावरण की सुरक्षा में चुस्त होते हैं। अगले साल नीट परीक्षा केंद्रों की वकालत में हिमाचल को भी प्रयत्न करने होंगे ताकि देश के हजार के करीब वांछित केंद्रों में कुछ प्रदेश के भीतर उपलब्ध हो जाएं। क्योंकि नीट परीक्षा आइंदा कम्प्यूटर आधारित होगी, अतः हिमाचल के हजारों परीक्षार्थियों के दृष्टिगत कुछ राज्य स्तरीय परीक्षा केंद्र विकसित करने होंगे। हमने काफी पहले इसी विषय पर कुछ सुझाव दिए थे। मसलन स्कूल शिक्षा बोर्ड परिसर के साथ लगती जमीन पर राज्य परीक्षा केंद्र विकसित करें, तो एक साथ पांच हजार या इससे अधिक युवा एक ही परिसर में परीक्षा दे सकते हैं। इसी तरह हर विश्वविद्यालय परिसर में परीक्षा केंद्र विकसित करें, तो तीन से पांच हजार तक युवा एक ही केंद्र में परीक्षा दे पाएंगे। परीक्षा केंद्रों की बदौलत युवा क्षमता अपनी प्रोफेशनल यात्रा को आसानी से टटोल सकती है। नीट परीक्षा इस परिप्रेक्ष्य में एक संभावना लेकर आ रही है। वैसे भी स्कूल शिक्षा बोर्ड व विश्वविद्यालयों को परीक्षाओं के संचालन का अनुभव प्राप्त है और इसे भविष्य की संभावनाओं में देखें तो राष्ट्रीय स्तर के कई एग्जाम संभव हो पाएंगे। प्रदेश में डिजिटल विश्वविद्यालय के प्रस्ताव के बाद अब एआई यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा शिक्षा मंत्री ने की है। हम यह नहीं कह सकते कि विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाना ज्यादा अहम है या पहले से शिक्षा ग्रहण कर चुके प्रोफेशनल को रोजगार का अवसर देना ज्यादा जरूरी है। डिजीटल से एआई विश्वविद्यालयों तक की यात्रा का अहम पड़ाव आईटी पार्क हो सकते हैं। नए विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थानों के बजाय पढ़े-लिखे बच्चों की ऊर्जा का सदुपयोग तब होगा, यदि उन्हें आगे बढने के अवसर दिए जाएं। ऐसे में स्टार्टअप की तरफ रुझान पैदा करने के दृष्टिगत नए संकल्प चाहिएं। तमाम विश्वविद्यालयों में ज्ञान की तिजोरी से बाहर चुनौतियों के प्रति नए समाधान-विकल्पों पर शिक्षा की भूमिका में बदलाव अपरिहार्य है। प्रदेश को शिखर पर पहुंचाने में युवाओं की भूमिका का योगदान सर्वश्रेष्ठ सिद्ध हो रहा है, तो इसलिए कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सामर्थ्य जाहिर होने लगा है। हमारे कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का स्तर तथा शिक्षा में खोज खबर बढनी चाहिए ताकि वैज्ञानिक उपलब्धियों के बीच हमारे उत्पादन सफल हो सकें। हिमाचल में शिक्षा की कई नर्सरियां खुल चुकी हैं। अब वक्त यह कहता है कि हम शिक्षित युवाओं को आगे बढ़ाने, प्रतिस्पर्धा में आजमाने और भविष्य में रंग जमाने के अवसर प्रदान करें। हिमाचल के कई शहर अब कोटा की तर्ज पर विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी करा रहे हैं, तो इस क्षमता को भविष्य दिखाने के लिए कम्प्यूटरीकृत परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराने के लिए उपयुक्त अधोसंरचना निर्माण की तरफ कोशिश करनी होगी।

डॉ. सत्यवान सौरभ

> यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं।

रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉलों पर पसरा सन्नाटा: क्या इंटरनेट युग ने छीन ली पढ़ने की संस्कृति?

भारतीय रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों के आवागमन के केंद्र नहीं रहे हैं, बल्कि वे लंबे समय तक देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना के भी प्रतीक रहे हैं। किसी भी बड़े या छोटे रेलवे स्टेशन पर प्रवेश करते ही व्हीलर जैसे बुक स्टॉल यात्रियों का ध्यान आकर्षित करते थे। यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं। अनेक स्टॉलों पर पुस्तकों की जगह पानी की बोतलें, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थों ने ले ली है। यह दृश्य केवल बाजार के बदलते स्वरूप का नहीं, बल्कि समाज की बदलती पठन संस्कृति का भी संकेत है। पिछले दो दशकों में तकनीक ने मनुष्य के जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने सूचना तक पहुँच को आसान, तेज और सुलभ बना दिया है। आज दुनिया की लगभग हर जानकारी कुछ सेकंड में मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाती है। समाचार, पुस्तकें, शोध-पत्र, पत्रिकाएँ, वीडियो, पॉडकास्ट और ऑडियोबुक—सब कुछ एक ही उपकरण में समाहित हो गया है। यह तकनीकी क्रांति निस्संदेह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा प्रश्न भी जुड़ा है कि क्या इस डिजिटल सुविधा ने मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं की आवश्यकता को कम कर दिया है? रेलवे स्टेशनों के सूने पड़े बुक स्टॉल इस प्रश्न को और अधिक प्रासंगिक बना देते हैं। एक समय था जब धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कादम्बिनी, सारिका, नवनीत, रविवार, हंस, सरिता, मुक्ता, गृहशोभा, वनिता, मेरी सहेली, प्रतियोगिता दर्पण, चंदामामा, मधु मुस्कान, मायापुरी, मनोहर कहानियाँ, रीडर्स डाइजेस्ट, इंडिया टुडे और आउटलुक जैसी पत्रिकाओं की नई प्रतियों का पाठकों को बेसब्री से इंतजार रहता था। रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉल इन पत्रिकाओं के सबसे बड़े बिक्री केंद्र होते थे। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लाखों यात्री अपनी रुचि के अनुसार पत्रिकाएँ खरीदते थे। बच्चों के लिए कॉमिक्स, युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री, महिलाओं के लिए गृह और परिवार से जुड़ी पत्रिकाएँ तथा साहित्य प्रेमियों के लिए उपन्यास और कहानी संग्रह आसानी से उपलब्ध रहते थे। यह केवल व्यापार नहीं था, बल्कि पढ़ने की एक जीवंत संस्कृति थी। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अनेक प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ बंद हो चुकी हैं। कई पत्रिकाओं का प्रकाशन सीमित हो गया है। जिनका प्रकाशन जारी भी है, उनकी प्रतियाँ पहले की तुलना में बहुत कम छपती हैं। पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि अब यात्रियों की पहली पसंद पुस्तक नहीं, बल्कि मोबाइल फोन है। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा कर रहे अधिकांश लोग किताबों की अलमारी की ओर देखने के बजाय अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण इंटरनेट को माना जाता है। इंटरनेट ने ज्ञान और सूचना को लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले किसी विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय जाना पड़ता था या पुस्तक खरीदनी पड़ती थी। आज वही जानकारी मुफ्त में ऑनलाइन उपलब्ध है। हजारों पुस्तकें पीडीएफ रूप में उपलब्ध हैं। किंडल और अन्य ई-बुक प्लेटफॉर्म ने पुस्तक पढ़ने के तरीके को बदल दिया है। ऑडियोबुक ने उन लोगों के लिए भी पढ़ने का विकल्प उपलब्ध कराया है जिनके पास समय कम है। इस दृष्टि से देखा जाए तो पढ़ने की आदत समाप्त नहीं हुई, बल्कि उसका माध्यम बदल गया है। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविक चिंता पढ़ने के माध्यम से अधिक पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर है। डिजिटल माध्यम पर उपलब्ध अधिकांश सामग्री त्वरित उपभोग के लिए तैयार की जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता का ध्यान अधिक समय तक किसी एक विषय पर टिकने नहीं देते। रील्स, शॉर्ट वीडियो और छोटे-छोटे पोस्ट लोगों को लगातार एक सामग्री से दूसरी सामग्री की ओर ले जाते रहते हैं। परिणामस्वरूप गहन अध्ययन, चिंतन और विश्लेषण की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती जा रही है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि लगातार बदलती डिजिटल सामग्री मनुष्य की एकाग्रता को प्रभावित करती है। पहले लोग एक उपन्यास या पुस्तक को कई दिनों तक पढ़ते थे। अब कुछ मिनटों से अधिक समय तक एक ही विषय पर ध्यान केंद्रित करना कठिन होता जा रहा है। सूचना की मात्रा बढ़ी है, लेकिन ज्ञान की गहराई कम होती दिखाई देती है। यही कारण है कि पढ़ने और देखने के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। वीडियो देखना और पुस्तक पढ़ना दो अलग-अलग मानसिक प्रक्रियाएँ हैं।

विदेश से भारत की संप्रभुता-सुरक्षा के खिलाफ डिजिटल वार

● संजय सक्सेना

दुनिया में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी देशों को कमजोर करने के लिए सीमा पर सेना उतारी जाती थी, अब वही काम मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए किया जा रहा है। इस युद्ध में न तो टैंक दिखाई देते हैं और न ही मिसाइलें, लेकिन इसका असर किसी पारंपरिक युद्ध से कम नहीं होता। इसका लक्ष्य दुश्मन के शहरों पर कब्जा करना नहीं, बल्कि उसके समाज में अविश्वास, भय और विभाजन पैदा करना होता है। भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ सबसे बड़ा डिजिटल समाज भी बन चुका है, पिछले एक दशक से इसी अदृश्य युद्ध का प्रमुख निशाना बना हुआ है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 95 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। हर दिन करोड़ों भारतीय मोबाइल पर समाचार देखते हैं, राय बनाते हैं और उसे आगे भी भेजते हैं। यही वजह है कि भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हो गया है, जहां सूचना को हथियार बनाकर सामाजिक माहौल प्रभावित करने की सबसे अधिक कोशिश होती है। सुरक्षा एजेंसियां कई बार संकेत दे चुकी हैं कि सीमा पार बैठे संगठित नेटवर्क भारतीय नामों, तस्वीरों और स्थानीय भाषाओं का इस्तेमाल कर ऐसे फर्जी खाते तैयार करते हैं, जिन्हें देखकर सामान्य व्यक्ति यह समझ ही नहीं पाता कि उसके सामने बैठा व्यक्ति वास्तव में किसी दूसरे देश से अभियान चला रहा है। इस डिजिटल हमले की पहली गंभीर झलक 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों में दिखाई दी। हिंसा भड़काने के लिए पाकिस्तान का नहीं, बल्कि दूसरे देश का एक पुराना वीडियो उत्तर प्रदेश का बताकर प्रसारित किया गया। जांच में वीडियो फर्जी निकला, लेकिन तब तक समाज में तनाव फैल चुका था। यही वह दौर था जब पहली बार यह महसूस किया गया कि मोबाइल स्क्रीन पर चलने वाला झूठ जमीन पर खून-खराबे की वजह बन सकता है। इसके बाद 2017 और 2018 में बच्चा चोरी की अफवाहों ने पूरे देश को झकझोर दिया। व्हाट्सएप पर कुछ सेकंड के वीडियो और झूठे संदेशों ने ऐसी दहशत फैलाई कि असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, त्रिपुरा और तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भीड़ ने निर्दोष लोगों को बच्चा चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस जांच में अधिकांश मामलों में कोई संगठित बच्चा चोरी गिरोह नहीं मिला, लेकिन सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें इतनी मजबूत हो चुकी थीं कि सच की कोई कीमत नहीं रह गई थी। कोरोना महामारी के दौरान यह सूचना युद्ध और खतरनाक हो गया। किसी समुदाय को संक्रमण फैलाने वाला बताया गया, कहीं झूठे घरेलू इलाज वायरल किए गए, तो कहीं वैक्सीन को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई गईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'इन्फोडेमिक' कहा, यानी ऐसी महामारी जिसमें बीमारी से ज्यादा झूठ फैलता है। भारत में भी करोड़ों लोगों तक ऐसे संदेश पहुंचे जिनका चिकित्सा विज्ञान से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून, दिल्ली हिंसा और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पूरी तरह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन गया। वास्तविक मुद्दों के साथ-साथ हजारों ऐसे वीडियो और तस्वीरें साझा की गईं जिनका घटना से कोई संबंध नहीं था। कुछ पुराने वीडियो नए बताकर वायरल किए गए तो कुछ तस्वीरों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया गया। किसान आंदोलन के दौरान तथाकथित दूलकिट विवाद ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या भारत के आंतरिक आंदोलनों को विदेशी डिजिटल नेटवर्क दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। जांच एजेंसियों ने कई डिजिटल कड़ियों की जांच की और यह स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया अब केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि रणनीतिक अभियान चलाने का औजार भी बन चुका है। 2023 में मणिपुर हिंसा ने इस खतरे को और स्पष्ट कर दिया। कई ऐसे वीडियो, जो महीनों पुराने थे या दूसरे देशों के थे, उन्हें मणिपुर का बताकर वायरल किया गया। एक फर्जी वीडियो ने हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों के मन में भी गुस्सा और अविश्वास पैदा कर दिया। यह दिखाता है कि डिजिटल दुष्प्रचार अब किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे देश का माहौल प्रभावित कर सकता है। 2024 के आम चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस युद्ध को नया आयाम दिया। नेताओं की आवाज बदलकर भाषण तैयार किए गए, नकली वीडियो बनाए गए और ऐसे संदेश प्रसारित किए गए जिन्हें सामान्य व्यक्ति आसानी से पहचान नहीं सकता था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में डीपफेक लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव ने इस खतरे को वास्तविक रूप में सामने ला दिया। जैसे ही सीमा पर सैन्य गतिविधियां तेज हुईं, सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो की बाढ़ आ गई। गाजा युद्ध के दृश्य भारत-पाक संघर्ष बताकर चलाए गए। पुराने विस्फोटों के वीडियो को ताजा सैन्य कार्रवाई बताया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीरों ने भ्रम और बढ़ा दिया। कुछ विदेशी खातों ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के झूठे दावे किए, जबकि दूसरी ओर भारतीय कार्रवाई को लेकर भी मनगढ़ंत वीडियो फैलाए गए।

> *विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'इन्फोडेमिक' कहा, यानी ऐसी महामारी जिसमें बीमारी से ज्यादा झूठ फैलता है। भारत में भी करोड़ों लोगों तक ऐसे संदेश पहुंचे जिनका चिकित्सा विज्ञान से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून, दिल्ली हिंसा और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पूरी तरह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन गया।*

अलवर पुलिस को मिली कामयाबी दो अपराधों का एक साथ खुलासा

- अपराधियों की पुलिस ने कराई परेड चारों तरफ गुजे पुलिस जिन्दाबाद के नारे

● राजस्थान दर्शन

अलवर। अलवर में बढते अपराधों को लेकर जहां दो दिन पूर्व तक राजस्थान पुलिस हॉय-हॉय के नारे लग रहे थे वही अलवर पुलिस की अभूतपूर्व कामयाबी ने लोगों को राजस्थान व अलवर पुलिस को जिन्दाबाद कहने पर मजबूर कर दिया और यह सारी कामयाबी का श्रेय अलवर पुलिस के कप्तान सुधीर चौधरी और उनकी टीम को जाता है जिन्होंने अल्प समय में अलवर के दो बडे अपराधों के खुलासे में महारत हासिल की है। अलवर पुलिस ने आज दोनो अपराधों के अपराधियों की शिनाख्त परेड कराई जिसे देख लोगों में पुलिस में विश्वास बढा है तो वही अपराधियों में भय व्याप्त हुआ है। कहते है अपराधी कितना भी दिमाग लगा कर अपराध कर ले लेकिन वह पुलिस की निगाह से बच नही सकता ऐसा ही अलवर में घटित अपराधों में हुआ अपराधियों ने पुलिस को गुमराह करने के अनेकों प्रयास किए लेकिन वे सभी निरथक साबित हुए है और पुलिस को कामयाबी हासिल हुई है। अलवर की शालीमार सोसायटी में जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर ओमप्रकाश के घर हुई लूट के मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को शनिवार शाम गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों को मौका तस्दीक कराने के लिए घटना स्थल यानी जीएसटी अधिकारी के घर पर लेकर पहुंची। चारों आरोपी लंगड़ाते हुए चले। जिन तीन बदमाशों ने वारदात की उन्हें पुलिस सीन रिक्रिएशन के लिए बापर्दा लेकर आई। वहीं चौथे आरोपी गौरव कुमार को बिना पर्दा के साथ लेकर आई। वारदात में कुल 5 बदमाश शामिल थे। अभी पांचवां आरोपी पुलिस गिरफ्त में नहीं आया है। आरोपी इतने शातिर हैं कि उन्हें पुलिस पहचान नहीं सके, इसलिए बार-बार कपड़े बदले। वारदात के दिन (4 जुलाई को) अफसर के कपड़े अपने साथ लेकर गए। जिन कपड़ों को पहनकर वारदात की, उन कपड़ों को रेलवे ट्रैक पर पटककर अफसर के कपड़े पहन लिए। आरोपी पुलिस गिरफ्त में नहीं आएं इसलिए शहर की सडक़ों पर नहीं गए। पुलिस गिरफ्त में आने से पहले जहां भी पहुंचे, वहां तक का टोटल सफर रेलवे ट्रैक पर ही किया। पुलिस को आरोपियों का पता नहीं चले, सीसीटीवी फुटेज भी नहीं मिलें। इसलिए रेलवे ट्रैक का ही सहारा लिया। पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल लूट का पर्दाफाश करने के लिए 600 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और रेलवे ट्रैक पर सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तक की। अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने शनिवार रात 9 बजे पुलिस अन्वेषण भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपियों ने पूरी प्लानिंग के साथ वारदात को अंजाम दिया। घटना से पहले उन्होंने कई दिनों तक जीएसटी अधिकारी के घर और आसपास के इलाके की रेकी की। घर की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी। मौका मिलने पर आरोपियों ने घर में घुसकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। एसपी ने बताया कि आरोपी बेहद शातिर हैं। पुलिस को गुमराह करने के लिए उन्होंने वारदात के दौरान और उसके बाद करीब 5 से 6 बार कपड़े बदले, ताकि सीसीटीवी कैमरों में उनकी पहचान नहीं हो सके। इतना ही नहीं, पूरे घटनाक्रम के दौरान किसी भी आरोपी ने मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो पाएनही। वारदात के बाद उन्होंने पैदल चलने और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग किया, ताकि पुलिस की जांच को भटकाया जा सके। इसके बावजूद पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी रामगढ़ और खैरथल-तिजारा क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनके खिलाफ पहले से लूट, डकैती, हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। ये कई बार जेल भी जा चुके हैं। पुलिस इनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार लूटी गई नकदी और जेवरात की बरामदगी के प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने लूट की रकम से एक मोटरसाइकिल भी खरीदी है। पुलिस का दावा है कि मामले में शत-प्रतिशत रिकवरी का प्रयास किया जाएगा। साथ ही यह भी आकलन किया जा रहा है कि घर से कुल कितनी नकदी और कितना सोना-चांदी लूटा गया था। प्रेस वार्ता के दौरान एसपी ने शहरवासियों से अपील की कि पॉश और सुनसान कॉलोनियों में रहने वाले लोग अपनी सुरक्षा के लिए चौकीदार की व्यवस्था करें। घरों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं। इससे अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ किसी भी वारदात की जांच में पुलिस को महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। अलवर शहर में बुजुर्ग व्यापारी की हत्या के दोनों आरोपियों की पुलिस ने परेड निकाली। दोनों हत्यारे फटे कपड़ों में लंगड़ाते हुए चल रहे थे और सिर मुंडा हुआ था। पुलिस रविवार सुबह दोनों आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर गई और वारदात का सीन रीक्रिएट कराया। आरोपियों को देखने के लिए भीड़ जमा हो गई। इस दौरान लोगों ने अलवर पुलिस जिंदाबाद के नारे लगाए और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। कोतवाली थाना प्रभारी रमेश सैनी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर यह जाना गया कि वे किस रास्ते से घर में घुसे, हत्या और लूट की वारदात कैसे की और बाद में किस रास्ते से फरार हुए। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि दो नाबालिगों को निरुद्ध किया गया है। एक अन्य आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने 9 जुलाई की रात वारदात को अंजाम दिया था। प्रारंभिक जांच में हत्या के बाद घर से हजारों रुपए की लूट की बात भी सामने आई है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश और लूटे गए सामान की बरामदगी में जुटी हुई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह के जन्मदिवस पर मासिक रक्तदान अभियान के तहत रक्तदान शिविर आयोजित

● राजस्थान दर्शन

अलवर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक माह की 12 तारीख को आयोजित किए जा रहे मासिक रक्तदान अभियान के अंतर्गत आज जीवनधारा ब्लड बैंक, अलवर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी, अलवर के अध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने बताया कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना तथा युवाओं में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज का रक्तदान शिविर राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के युवाओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा समर्पित रहा। इस अवसर पर राजगढ़ विधायक श्री मांगेलाल मीणा, पुष्पेंद्र सिंह धबाई, योगेश मिश्रा,कमलेश सैनी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रमन सैनी, अंकित गोयल, गौरव यादव, दीनबंधु शर्मा, इम्तियाज हुसैन, साजिद अनवर, राहुल पटेल, जमशेद खान, के के खंडेलवाल, आमीन महर, राजेश मीणा, कमल सैन, सुनीता शर्मा, राजकुमारी सुलानिया, सोनू गोपालिया, रामराज मीणा, धर्मपाल नंगली एवं रहमत कपड़ेवाला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं युवाओं ने सहभागिता कर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। उन्होंने सभी युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान कर समाज सेवा के इस पुनीत अभियान से जुडने का आह्वान किया।

माधव विश्वविद्यालय में एनसीसी शिविर का हर्षोल्लास के साथ समापन, उत्कृष्ट कैडेट्स हुए सम्मानित

● राजस्थान दर्शन

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 4 राज बटालियन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिविर प्रभारी एवं 4 राज बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल नरपत सिंह ने कहा कि कैडेट्स ने पूरे शिविर के दौरान अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट आचरण का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि शिविर से प्राप्त प्रशिक्षण एवं अनुभव कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र सेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा। समारोह में कैंप के दौरान आयोजित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को पदक देकर प्रोत्साहित किया गया, जबकि विभिन्न गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के अंतिम दिन आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में कैडेट्स ने देशभक्ति गीत, लोकनृत्य एवं अन्य रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन सीटीओ होमेंदर सिंह शेखावत एवं कोमल यादव ने किया। समापन समारोह में एनसीसी अधिकारियों, प्रशिक्षण स्टाफ, विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में कैडेट्स की उपस्थिति रही। समारोह के साथ ही प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

बिरला शिक्षण संस्थान ने शैक्षणिक क्षेत्र में अव्वल रहे छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

● राजस्थान दर्शन

पिलानी। बिरला शिक्षण न्यास के तत्वावधान में संचालित बिरला बालिका विद्यापीठ में माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल एस.एस. नायर (अति विशिष्ट सेवा पदक) थे। इस अवसर पर अजय कुमार कुमार अग्रवाल (उपनिदेशक, प्रशासन एवं विधि), घनश्याम सिंह गौड़ (उपनिदेशक, वित्त), न्यास के पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह में कक्षा 12 के 78 तथा कक्षा 10 के 31 विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र, नकद पुरस्कार एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। मानविकी वर्ग में बिरला स्कूल पिलानी की भूमिका (98.80') प्रथम तथा बिरला बालिका विद्यापीठ की स्वधि पवार (98.20') द्वितीय रहीं। विज्ञान वर्ग में बिरला स्कूल पिलानी के एकाक्ष डेला (97.80'), बिरला शिशु विहार के जतिन पूनिया (97.00') तथा बिरला बालिका विद्यापीठ की खुशीलीना (96.20') सम्मानित हुए। वाणिज्य वर्ग में बिरला स्कूल पिलानी के देव शर्मा (95.60') एवं बिरला बालिका विद्यापीठ की संजना मोलुगू (95.60') संयुक्त प्रथम तथा बिरला बालिका विद्यापीठ की स्वधा जिंदल (94.60') एवं बिरला स्कूल किशनगढ़ के अक्षत चौधरी (94.60') संयुक्त द्वितीय रहे। कक्षा 10 में बिरला स्कूल पिलानी के लिवांशु (98.60'), बिरला बालिका विद्यापीठ की सुकृति रावत एवं श्रद्धा (97.80') प्रमुख रहे। इस अवसर पर बिरला बालिका विद्यापीठ के कंप्यूटर साइंस शिक्षक शोभित डागा द्वारा मल्टीमीडिया विषय पर लिखी गई पुस्तक तथा डॉ. रजनीश प्रजापत द्वारा कक्षा 9 की जीवविज्ञान विषय पर लिखी गई पुस्तक का भी विमोचन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों, अभिभावकों और कठिन परिश्रम को देते हुए प्रेरक अनुभव साझा किए। अभिभावकों ने विद्यालय की अनुशासित कार्यप्रणाली, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्कार आधारित वातावरण की सराहना की। प्राचार्या श्रीमती अचला वर्मा ने कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है तथा निरंतर उत्कृष्टता के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि मेजर जनरल एस.एस. नायर ने कहा कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि चरित्र, अनुशासन, परिश्रम, ईमानदारी और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व से निर्धारित होती है। समारोह के अंतर्गत सम्मानित छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। अंत में आभार ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

राजस्थान से कम से कम 50 से अधिक टीमें प्रतियोगिता में होगी आमने-सामने

● राजस्थान दर्शन

उदयपुरवाटी। कस्बे के पास किरोड़ी रोड पर स्थित एकता पब्लिक स्कूल के प्रांगण में 15 जुलाई से कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार आगाज शुरू होगा द्य एकता पब्लिक स्कूल के चेयरमैन राव ईश्वर सिंह व डायरेक्टर डॉक्टर संतोष सिरोही जानकारी देते हुए बताया कि चार दिन तक चलने वाली इस कबड्डी प्रतियोगिता में राजस्थान से कम से कम 50 से अधिक टीमें भाग लेंगी द्य विद्यालय के चेयरमैन राव ईश्वर सिंह ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय एशियन कबड्डी 26 के कप्तान विजेंद्र चौधरी कबड्डी प्रतियोगिता का 15 जुलाई को उद्घाटन करेंगे द्य विद्यालय के डायरेक्टर डॉक्टर संतोष सिरोही के अनुसार 15 जुलाई को कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार आगाज शुरू होगा जिसमें अंडर 14 अंडर 17 व अंडर 19 के विद्यार्थी भाग लेंगे द्य एकता पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल विजय शर्मा के अनुसार 15 जुलाई से आयोजित होने वाले कबड्डी प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है।

एचडीएफसी लाइफ में असिस्टेंट सेल्स मैनेजर मोहम्मद आरिफ का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

● राजस्थान दर्शन

करौली। शहर स्थित एचडीएफसी लाइफ कार्यालय में शुक्रवार को असिस्टेंट सेल्स मैनेजर मोहम्मद आरिफ का 32वां जन्मदिन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय में केक काटकर सभी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मैनेजर धर्मराज मीना ने बताया कि मोहम्मद आरिफ के उत्कृष्ट कार्य एवं उपलब्धियों के सम्मान में उन्हें बैंकॉक ट्रिप ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में रिजनल मैनेजर अमित शर्मा, अजय बटवारा तथा धर्मराज मीना ने उन्हें ट्रॉफी प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में शिक्षक गंगाराम प्रजापत, वित्तीय सलाहकार रामविलास प्रजापति, नसीर मोहम्मद सहित कार्यालय के अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। सभी ने मोहम्मद आरिफ के स्वस्थ, सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पानी में डूबने से दो दोस्तों की मौत

● राजस्थान दर्शन

अलवर। अलवर में खेत में बने 10 फीट गहरे फार्म पॉन्ड (हौद) में डूबने से दो मासूम दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। हौद में डूबते ही दोनों बच्चे बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे, जबकि बाहर खड़े उनके 4 अन्य साथी ग्रामीणों को बुलाने के लिए दौड़े। ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और उनकी सांसें थम चुकी थी। घटना थानागाजी क्षेत्र की ग्राम पंचायत द्वारापुर में रविवार दोपहर करीब 12-30 बजे की है। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए। ग्रामीण बताया कि 6 दोस्त खेत में बने फार्म पॉन्ड पर पहुंचे थे। इनमें से चार बच्चे हौद के बाहर ही खड़े रहे और पानी में नहीं उतरे, जबकि 15 वर्षीय नरेंद्र प्रजापत पुत्र मुकेश प्रजापत और 13 वर्षीय गोलू बलाई पुत्र अशोक बलाई नहाने के लिए पानी में उतर गए। यह हौद किसान हरिराम ने खेतों की सिंचाई के लिए बनवाया था। हौद भले ही आधा भरा हुआ था, लेकिन उसमें करीब 10 फीट से अधिक गहराई तक पानी था। दोनों बच्चों को तैरना नहीं आता था और उन्होंने पानी की गहराई का सही अंदाजा नहीं लगाया। कुछ ही देर में वे गहरे पानी में डूबने लगे और बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे। उन्होंने आगे बताया कि बाहर खड़े उनके 4 दोस्तों ने शोर मचाया और गांव की ओर दौड़कर ग्रामीणों को सूचना दी। लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल थानागाजी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

कड़ी निगरानी में सीनियर टीचर भर्ती एग्जाम

● राजस्थान दर्शन

अलवर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा-2025 रविवार से अलवर जिले में शुरू हो गई। परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। सुबह 8 बजे से अभ्यर्थियों की एंट्री शुरू हुई और 9 बजे के बाद प्रवेश बंद कर दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस और ड्यूटी स्टाफ ने अभ्यर्थियों की दो बार जांच की। पहले मुख्य गेट पर बैग और अन्य सामान की तलाशी ली गई, इसके बाद मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। पेन तक को चेक किया गया ताकि कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अंदर न ले जाया जा सके। अलवर शहर के एसएमडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल समेत सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के कॉलर, कपड़े और जेबों की भी जांच की गई। इसके बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया। साथ ही आधार या अन्य फोटो पहचान पत्र और प्रवेश पत्र का मिलान कर फेस वेरिफिकेशन भी किया गया। जिले में 12 से 17 जुलाई तक परीक्षा होगी। इसके लिए 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पहले दिन दोनों पारियों में 14,245-14,245 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जबकि पूरे छह दिनों में 86 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद है।

13 जुलाई को जिलेभर में लगेंगे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर, 22 विभागों की 90 सेवाओं का मिलेगा लाभ

● राजस्थान दर्शन

करौली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से 13 जुलाई (सोमवार) को करौली जिले में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर महावीर सिंह ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविरों के अंतर्गत पंचायत समिति करौली की ग्राम पंचायत ससेडी, हिण्डौन की महमदपुर, श्रीमहावीरजी की ढहरा, सपोटरा की नारौली एवं एकट, टोडाभीम की लपावली एवं सांकरवाड़ा तथा नादौती की बाड़ा एवं राजाहेड़ा ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार शहरी सेवा शिविरों के अंतर्गत नगर परिषद हिण्डौन के वार्ड 55 एवं 56, नगरपालिका सूरौठ के वार्ड 19 एवं 20, नगरपालिका टोडाभीम के वार्ड 32 एवं 33 तथा नगरपालिका सपोटरा के वार्ड 19 में शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिविरों में 22 प्रमुख सरकारी विभागों की लगभग 90 सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करेंगे तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराया जाएगा। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित सेवा शिविरों में पहुंचकर उपलब्ध सरकारी सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं।

सलूंबर में युसीसी पर कांग्रेस का विरोधः सचिन पायलट के दौरे की भी बनाई रणनीति

सलूंबर

समान नागरिक संहिता को लेकर सलूंबर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने युसीसी से जुड़े सरकारी आयोजनों के बहिष्कार का ऐलान किया है। पार्टी ने कहा है कि यदि जिले में इस विषय पर कोई सरकारी कार्यक्रम आयोजित किया जाता है तो कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी और ज्ञापन देकर अपना विरोध दर्ज कराएगी। यह निर्णय जिला कांग्रेस मुख्यालय में जिलाध्यक्ष परमानंद मेहता एडवोकेट की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में युसीसी के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार विरोध की रणनीति तय की गई। जिलाध्यक्ष परमानंद मेहता ने कहा कि राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता को लेकर अब तक कोई स्पष्ट मसौदा या प्रारूप सार्वजनिक नहीं किया है। उनका कहना था कि ऐसे में बिना प्रारूप के जनता से सुझाव मांगना केवल औपचारिकता और भ्रम की स्थिति पैदा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के मुद्दों के जरिए सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने और जनहित से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में युसीसी को लेकर सरकार का कोई भी कार्यक्रम होने पर कांग्रेस उसका बहिष्कार करेगी और विरोध प्रदर्शन के साथ ज्ञापन सौंपेगी। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के 14 जुलाई को प्रस्तावित सलूंबर दौरे को लेकर भी चर्चा हुई। सर्वसम्मति से तय किया गया कि दोपहर 12:30 बजे आरटीओ सर्कल पर उनका स्वागत किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तीनों ब्लॉक अध्यक्षों और उनके अधीन मंडल अध्यक्षों को कार्यकर्ताओं तक सूचना पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस पदाधिकारियों का दावा है कि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आरटीओ सर्कल पहुंचकर सचिन पायलट का स्वागत करेंगे।

शोभायात्रा में 3 महिलाओं से चेन-मंगलसूत्र छीनकर भागे बदमाश

उदयपुर

उदयपुर में जैन समाज की शोभायात्रा में बदमाशों ने एक के बाद एक तीन महिलाओं के गले से सोने की चेन और मंगलसूत्र छीनकर मौके से फरार हो गए। मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ के मंगल प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्र में शोभायात्रा निकाली जा रही थी। धार्मिक आयोजन में करीब एक हजार की संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए थे। भीड़ का फायदा उठाकर बदमाशों ने सेक्टर-11 स्थित आलोक स्कूल से जैन मंदिर के बीच इस वारदात को अंजाम दिया। वारदात की सूचना मिलते ही सवीना थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पीड़ित महिलाओं की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश कर रही है। उदयपुर में चेन स्नेचिंग की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे ठीक एक दिन पहले भी हिरण मगरी थाना क्षेत्र में इसी तरह की चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई थी। मामले में थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया- महिला रेणुका जैन(53) पत्नी गजेन्द्र कुमार जैन निवासी गोवर्धन विलास के गले से ढाई तोला सोने का मंगलसूत्र छीनकर ले गए। वहीं, महिला लीलादेवी सिंघवी(75) पत्नी जीवनलाल निवासी नेमीनाथ कॉलोनी के गले से डेढ़ तोला सोने की चेन और महिला इन्द्रदेवी जैन(56) पत्नी झमक लाल जैन निवासी सर्वऋतु विलास के गले से डेढ़ तोला सोने का मंगलसूत्र छीनकर ले गए। बदमाशों ने भीड़ का फायदा उठाकर चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम दिया। तीन महिलाओं के साथ शोभायात्रा में अलग-अलग जगह वारदात हुई। पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है।

करोड़ों रुपए की छात्रवृत्ति ठगी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

डीडवाना-कुचामन

डीडवाना-कुचामन पुलिस ने केंद्र सरकार के नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) से जुड़ी करोड़ों रुपए की छात्रवृत्ति ठगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के मुख्य सरगना और 21 हजार रुपए के इनामी बदमाश इमरान अली उर्फ सरजू को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसपी डॉ. प्यारेलाल शिवरान के निर्देश पर की गई। पुलिस के अनुसार यह ठगी वर्ष 2021-22 और 2022-23 में हुई थी। इसमें केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यक छात्रों को एनएसपी पोर्टल के माध्यम से दी जाने वाली छात्रवृत्ति में फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपए हड़पे गए। इस मामले के सामने आने के बाद अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निर्देश पर राजस्थान के विभिन्न जिलों में अब तक लगभग 28 मामले दर्ज किए गए हैं। डीडवाना जिले के डीडवाना, नावां और मकराना थानों में भी मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पहले पश्चिम बंगाल में जुबेर आलम, मंसूर आलम और एमडी मुन्ना मुस्तक को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्य आरोपी इमरान अली उर्फ सरजू के ठिकाने पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने 18 फर्जी शिक्षण संस्थानों की मुहरें, 105 मोबाइल सिम, विभिन्न संस्थानों की लगभग 1 करोड़ 58 लाख 970 रुपए की फर्जी रसीदें बरामद कीं। इसके अलावा 4 क्लोन अंगूठा निशान, एक फिंगरप्रिंट मशीन, मोबाइल पेमेंट टर्मिनल, कैमरे, चार्जर और बांग्लादेश निर्मित चार-सिम वाला मोबाइल भी जब्त किया गया। आरोपी के कब्जे से ठगी के 44 हजार रुपए नकद, 4 मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, 7 एटीएम कार्ड और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए गए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह वर्तमान में भी फर्जी तरीके से केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में ठगी कर रहा था। आरोपी के बैंक खाते में 4 मार्च 2026 को भी 1.69 लाख रुपए जमा होने के प्रमाण मिले हैं। पुलिस मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

राम मंदिर के बाद अब राजस्थान के बुटाटी धाम में महाघोटाला! 22 करोड़ के गबन पर एसडीएम की रिपोर्ट ने उड़ाए सबके होश

नागौर

जब धर्म और आस्था की बात आती है तो भारत की बड़ी आबादी आंख मूंद कर भरोसा कर लेती है। आस्था के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए दान कर दिए जातें हैं। श्रद्धालु और भामाशाह यह जानने की कोशिश भी नहीं करते कि उनकी ओर से दान किए गए रुपयों का दुरुपयोग हो रहा है या नहीं। इसी का फायदा उठाते हुए कई कथित पुजारी, संत और मंदिर समिति के पदाधिकारी करोड़ों रुपए का गबन कर जाते हैं। हाल ही में अयोध्या के भगवान श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी का बड़ा प्रकरण सामने आया जहां समिति के सदस्य ही चोरी करते पाए गए। अब राजस्थान के एक प्रसिद्ध मंदिर में भी करोड़ों रुपए का गबन सामने आया है। राजस्थान के नागौर जिले में चतुरदास जी महाराज का प्रसिद्ध धाम है। यह धाम बुटाटी में है। मंदिर के विकास और रखरखाव के लिए समिति बनी हुई है। समिति के पदाधिकारियों पर अब करोड़ों रुपए के गबन के आरोप लगे हैं। ना केवल आरोप बल्कि उपखंड अधिकारी की जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि मंदिर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बुटाटी और अन्य सदस्यों ने मिलकर करीब 22 करोड़ रुपए का गबन किया है। समिति पर पिछले एक साल से गंभीर आरोप लग रहे थे। इसके बाद तत्कालीन जिला कलेक्टर अरुण पुरोहित ने डेगाना एसडीएम मोहन चौधरी के नेतृत्व में जांच कमेटी का गठन किया। जांच कमेटी ने जिला कलेक्टर को अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें करीब 22 करोड़ रुपए के गबन के प्रमाण प्रस्तुत किए गए हैं। श्री चतुरदास जी मंदिर बुटाटी की समिति ने पिछले ढाई तीन साल से चढ़ावे और खर्च का लेखा जोखा पेश करना बंद कर दिया। हालांकि समिति के पदाधिकारी कहते हैं कि उनके पास पूरा लेखा जोखा है लेकिन एसडीएम की जांच रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर समिति ने भारी वित्तीय गड़बड़ियां की है। चढ़ावे में आए रुपयों का पूरा हिसाब नहीं रखा गया। सोने चांदी के आभूषण जो कि दान किए गए थे। उनका कोई हिसाब नहीं रखा गया। बड़े-बड़े भामाशाहों ने लाखों रुपए दान करके जो विकास कार्य अपने पैसों से कराए, उसे समिति ने अपना खर्चा बताते हुए बड़ा गबन कर दिया। एसडीएम की जांच रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर की नई समिति ने सोने चांदी के चढ़ावे का बड़ा गबन किया। पुरानी समिति के पास 36 किलो चांदी और 250 ग्राम सोना था। नई समिति ने कार्यभार ग्रहण करते समय 35.5 किलो चांदी और 280 ग्राम सोना बताया। वर्तमान में मंदिर समिति के अधीन कुल 2.60 करोड़ मूल्य की संपत्ति है, लेकिन इसका कोई लेखा जोखा दर्ज नहीं है। समिति ने ग्राम विकास कार्यों में भारी फर्जीवाड़ा किया। बुटाटी गांव के विकास के लिए 31 लाख 37 हजार रुपए खर्च करना बताया लेकिन किन ठेकेदारों से कार्य करवाया। इसका रिकॉर्ड नहीं दिया। खर्च के जो बिल समिति की ओर से पेश किए गए, उनकी सत्यता का कोई प्रमाण नहीं है क्योंकि ठेकेदारों और मजदूरों का कोई भौतिक प्रमाण नहीं है। मंदिर की दान पेटियों और बैंक खातों में भारी अनियमितताएं मिली है। दोनों में लाखों रुपए का अंतर पाया गया है। ग्राम सेवा सहकारी बैंक के खाते में करीब साढ़े तीन लाख रुपए और ग्रामीण बैंक खाते में करीब पौने दो लाख रुपए का अंतर पाया गया। जिससे यह साबित होता है कि चढ़ावे में लाखों रुपए का गबन किया गया है। मंदिर समिति ने भोजनशाला निर्माण के नाम पर भी 49.49 लाख रुपए का गबन कर दिया। भोजनशाला का निर्माण एक भामाशाह के द्वारा कराया गया था लेकिन समिति ने अपना खर्च बताते हुए फर्जी बिल पेश करके मंदिर समिति के रुपए निकाल लिए। समिति ने सीसीटीवी लगाने के नाम भी लाखों रुपए डकार लिए। सीसीटीवी लगाने के लिए कोई टेंडर जारी नहीं किया। एम जंक्शन सर्विसेज के नाम से 58.14 लाख रुपए का भुगतान होना दर्ज किया गया। वाउचर रानाबाई ट्रेडर्स के नाम से मिले।

एयरफोर्स जवान का हाथ तोड़ा, कुल्हाड़ी से सिर फोड़ाः सगे भतीजों और उसके साथियों ने हमला बोला

जोधपुर

जमीन पर अवैध कब्जे और तारबंदी हटाने को लेकर सगे भतीजों ने एयर फोर्स जवान भागाराम (47) और उनके छोटे भाई ओम प्रकाश (39) पर हमला बोल दिया। दोनों भाइयों को कुल्हाड़ी, सरियों और लाठियों से पीट-पीट कर अधमरा कर दिया। यह घटना जोधपुर के विवेक विहार थाना क्षेत्र के गुढ़ा विश्नोइयां (मंगल नगर) की है। गंभीर रूप से घायल एयरफोर्स जवान भागाराम को मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने 7 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। रविवार दोपहर तक किसी की गिरफ्तारी भी नहीं हुई थी। ओमप्रकाश (39) पुत्र घेवरराम विश्नोई ने शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे विवेक विहार थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि यह विवाद उनके सगे भाई रामसिंह के बेटों से चल रहा है। 10 जुलाई की सुबह करीब 10:30 बजे आरोपी जेसीबी और बजरी से भरा डम्पर लेकर जबरन उनके खेत में घुसे और वहां की गई तारबंदी को उखाड़ने लगे। जब ओमप्रकाश ने इस अवैध कब्जे का अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया, तो उनका सगा भतीजा अशोक भड़क गया। अशोक ने जान से मारने की नीयत से अपनी सफेद रंग की कैंपर गाड़ी ओमप्रकाश के पीछे दौड़ा दी और जोरदार टक्कर मारकर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। ओमप्रकाश के गिरते ही आरोपी राकेश, मनीष और महेंद्र ने लोहे के पाइप और लाठियों से उनके सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। ओमप्रकाश की चीख-पुकार सुनकर उनकी पत्नी हेमा और बड़े भाई (एयरफोर्स जवान) भागाराम दौड़कर मौके पर पहुंचे। भागाराम ने जब अपने भाई को बचाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उन पर भी रहम नहीं खाया। आरोपी पिंटू और उनके साथ आई एक महिला ने जान से मारने की नीयत से भागाराम के सिर पर कुल्हाड़ी से सीधा वार कर दिया। इसी बीच महेंद्र ने लाठी और अशोक ने लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। सिर पर होने वाले वार को रोकने के लिए जब जवान ने अपना हाथ आगे किया, तो रॉड के भारी प्रहार से उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। आरोपी दोनों भाइयों को मरा हुआ समझकर, उनका मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए। इस पूरे मामले में पीड़ित परिवार ने विवेक विहार थाना पुलिस की मिलीभगत और ढिलाई पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित ओमप्रकाश ने बताया कि हमलावर (भतीजे अशोक व मनीष) आदतन अपराधी प्रवृत्ति के हैं

100 करोड़ के जिला अस्पताल में एक साल में दरारें, एल्युमिनियम प्लेटों से छिपाने की कोशिश नाकाम

दौसा

दौसा जिले के लालसोट उपखंड मुख्यालय स्थित श्यामपुरा रोड पर करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक जिला अस्पताल भवन में उद्घाटन के महज एक साल बाद ही बड़ी-बड़ी दरारें दिखाई देने लगी हैं। भवन में आई इन दरारों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले के सामने आने के बाद विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि भवन के निचले हिस्से में आई दरारों को छिपाने के लिए ठेकेदार ने एल्युमिनियम प्लेटें लगाकर पैबंद लगाने का प्रयास किया था। हालांकि समय के साथ ये प्लेटें कई स्थानों से उखड़ गईं, जिससे अंदर की गहरी दरारें साफ दिखाई देने लगीं। स्थानीय लोगों ने इसकी तस्वीरें और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए, जिसके बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई। गौरतलब है कि जयपुर के एसएमएस अस्पताल की तर्ज पर बनाए गए इस 200 बेड के आधुनिक जिला अस्पताल और 50 बेड के मदर एंड चाइल्ड विंग का उद्घाटन मई 2025 में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने किया था। अस्पताल परिसर में चिकित्सकों के लिए आवासीय क्वार्टर भी बनाए गए हैं। लेकिन उद्घाटन के एक साल के भीतर ही भवन में दरारें सामने आने से लोगों में चिंता बढ़ गई है। इस मामले पर जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. राजकुमार सेहरा ने बताया कि करीब सात-आठ महीने पहले भी इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को पत्र भेजा गया था। उस समय विभाग की ओर से बताया गया था कि दरारें ड्रेनेज पाइपलाइन के प्लास्टर से संबंधित हैं और मुख्य भवन पूरी तरह सुरक्षित है। अब दोबारा मामला सामने आने पर एनएचएम को फिर से लिखित रूप में अवगत कराया गया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स के करीब 100 करोड़ रुपये से बने अस्पताल भवन की इतनी जल्दी खराब स्थिति चिंता का विषय है। उनका आरोप है कि यदि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता का होता तो एक साल के भीतर ऐसी स्थिति नहीं बनती। क्षेत्रवासियों ने पूरे निर्माण कार्य की किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष तकनीकी एजेंसी से जांच कराने तथा दोषी ठेकेदार और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर जवाबदेही तय करने की मांग की है।

युवक पर कुल्हाड़ी से हमला, सिर में धंसीः बारां में डॉक्टर बाहर नहीं निकाल पाए

कोटा

बारां जिले में रात में सो रहे युवक पर बदमाश ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुल्हाड़ी युवक के सिर में धंस गई। युवक के चिल्लाने पर पास में सो रही पत्नी उठी तो आसपास कोई नहीं था। युवक के सिर में कुल्हाड़ी धंसी थी और तेजी से खून बह रहा था। आसपास के लोगों की मदद से घायल को भंवरगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद बारां जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां भी डॉक्टर कुल्हाड़ी नहीं निकाल सके। इसके बाद युवक को परिजन सुबह 5 बजे कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाए। जहां दोपहर 3:40 बजे डॉक्टरों ने ऑपरेशन शुरू किया। मामला भंवरगढ़ थाना क्षेत्र के आमापुरा शनिवार रात करीब दो बजे का है। डॉक्टर रिजवीस ने बताया- बारां के आमापुरा निवासी रामजीलाल (30) के सिर में कुल्हाड़ी अंदर तक धंस गई है। इससे ब्रेन को गंभीर क्षति हुई है। जल्द ऑपरेशन कर कुल्हाड़ी निकालने का प्रयास करेंगे। घायल रामजीलाल की पत्नी ममता ने बताया- घटना रात करीब 2 बजे हुई है। उस समय मैं, पति और मेरी बेटी घर में सो रहे थे। तभी एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा और पति रामजीलाल के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर फरार हो गया। हमले के बाद पति के चिल्लाने पर परिवार उठा और चीख-पुकार मच गई। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से पति को अस्पताल लेकर गई। ममता ने कहा- मेरे पति का किसी से कोई झगड़ा नहीं है। वह ट्रैक्टर चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। आखिर हमला किसने और क्यों किया, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल रामजीलाल का इलाज कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। परिजनों के अनुसार- सुबह करीब 5 बजे कोटा के अस्पताल पहुंचने के बाद भी सिर में धंसी कुल्हाड़ी को अभी तक नहीं निकाला जा सका है। भंवरगढ़ थाना अधिकारी गोपीलाल आर्या ने बताया- देर रात करीब 2:30 बजे घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायल को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए पहले बारां और फिर कोटा रेफर किया गया। उन्होंने बताया कि रात में ही पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगा दी गई थीं और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। घायल के बयान दर्ज करने के लिए एसआई को कोटा भेजा गया है। जल्द ही हमलावर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लग्जरी कार में मिली अवैध अंग्रेजी शराब, आरोपी पकड़ा

पाली

पाली शहर में एक कार से 672 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार शराब को ट्रेन से गुजरात भेजने की तैयारी थी। औद्योगिक थाने के एएसआई ओमप्रकाश जोशी ने बताया कि 11 जुलाई की रात करीब 1:30 बजे रात्रि गश्त के दौरान शराब की तस्करी की सूचना मिली थी। गश्त के दौरान तलाशी में पता चला कि सरदार पटेल नगर क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सुभाष नगर-ए में खड़ी एक सफेद क्रेटा कार में अवैध शराब भरी हुई है। कार चला रहे रविन्द्र सिंह (33) निवासी सुभाष नगर-ए, पाली को हिरासत में लिया है। तलाशी के दौरान कार में रखे सात प्लास्टिक कट्टों में 14 स्टील टैंकों से कुल 672 पव्वे अंग्रेजी शराब के मिले। पुलिस ने नमूने लेकर एफएसएल जांच के लिए सुरक्षित किए गए और शेष शराब को जब्त कर सील किया गया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब को ट्रेन के जरिए गुजरात भेजने की तैयारी थी। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

बाड़मेर में मानसून कमजोर पड़ा, किसानों की चिंता बढ़ी

आंधी से फसलों को नुकसान; भाटी बोले- सरकार पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराएं

बाड़मेर

बाड़मेर में मानसून कमजोर पड़ गया है। जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। इन दिनों आंधी का दौर चल रहा है। आसमान में धुल के गुबार छाए हुए है। वहीं, किसान और बाड़मेर के लोग इंद्रदेव को मनाने के लिए यज्ञ कर आहूतियां दे रहे है। वहीं विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने की मांग की है। बाड़मेर में अब तक सिर्फ 10 फीसदी ही बारिश हुई है। जिलेभर में 90 फीसदी हिस्सा पूरी तरह से सूखा पड़ा है। कई किसानों ने खेत में बुवाई कर दी थी। किसान बारिश के इंतजार में बैठे है। किसानों का कहना है कि बारिश नहीं होने से पशुओं के चारे का भी संकट हो जाएगा। इसको लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने जिला कलेक्टर को चिट्ठी लिखी है। दरअसल, बाड़मेर जिले में प्री-मानसून में जून माह में एक बारिश हुई थी। इसके बाद मानसून की पश्चिमी राजस्थान में एंट्री हो गई थी, लेकिन मानसून की बेरुखी के चलते बारिश नहीं हुई। मानसून कमजोर होने की वजह से आगामी कुछ दिनों में बारिश होने के आसार नहीं है। शनिवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया है। रविवार को न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को सुबह से आसमान में धूल छाई हुई है। ग्रामीणों इलाकों में धूल भरी आंधी चल रही है। इससे रेत सड़कों पर जमा हो गई। वहीं हाईवे पर रेत चल रही है। मानों जैसे नदी बह रही है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने जिले में संभावित चारा संकट को लेकर जिला कलेक्टर को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने संकटग्रस्त गांवों और ढाणियों में तुरंत पशु चारा शिविर शुरू करने की मांग की है। भाटी ने कहा- पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण चारा उपलब्ध कराया जाए। रविवार को जिले भर में सुबह से ही धुलभरी आंधी चली। इससे जिले के कुछ इलाकों में, जहां बारिश के बाद बुवाई हुई थी। वहां अंकुरित हो रही फसलों को नुकसान पहुंचा है। आगामी कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है। इस बार मानसून बेहद कमजोर है। 10 जुलाई तक जिले में औसत 10 एमएम बारिश भी नहीं हुई है। 2025 में 10 जुलाई तक 55 एमएम बारिश हो चुकी थी। 2024 में भी 10 जुलाई तक 50 एमएम से ज्यादा बारिश हुई।

21 साल की लिंडा नोस्कोवा पहली बार बनीं विंबलडन क्वीन

मुचोवा को हराकर रचा इतिहास

● नई दिल्ली

चेक गणराज्य की 21 वर्षीय टेनिस स्टार लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 महिला एकल का खिताब जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए ऑल-चेक फाइनल में नोस्कोवा ने कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराकर प्रतिष्ठित वीनस रोजवॉटर डिश पर कब्जा जमाया। नोस्कोवा ने पहले सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आसानी से बढ़त बना ली। हालांकि दूसरे सेट में वह जीत से महज एक कदम दूर थीं, लेकिन पांच मैच प्वाइंट गंवाने के बाद मुकाबला तीसरे सेट तक खिंच गया। इसके बावजूद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए निर्णायक सेट 6-3 से जीत लिया और अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल कर लिया।

लिंडा नोस्कोवा पिछले चार वर्षों में विंबलडन महिला एकल का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह प्रतिष्ठित खिताब जीता था। इस जीत के साथ चेक महिला टेनिस का दबदबा एक बार फिर साबित हुआ।

दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में मिली ऐतिहासिक जीत

फाइनल मुकाबले के दौरान दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा विर्तोवा और विंबलडन में रिकॉर्ड नौ एकल खिताब जीतने वाली महान खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा भी मौजूद थीं। नवरातिलोवा रॉयल बॉक्स में केट, प्रिंसेस ऑफ वेल्स के साथ बैठी थीं। मुकाबले के बाद प्रिंसेस ऑफ वेल्स ने नोस्कोवा को विजेता ट्रॉफी प्रदान की।

ओलंपिक में रह चुकी हैं डबल्स जोड़ीदार

दिलचस्प बात यह है कि लिंडा नोस्कोवा और कैरोलिना मुचोवा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला युगल स्पर्धा में एक साथ हिस्सा लिया था। दोनों की जोड़ी उस प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रही थी। इस बार दोनों विंबलडन के फाइनल में आमने-सामने थीं, जहां नोस्कोवा ने बाजी मार ली

▶ स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

स्पेन 16 साल बाद फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में, फ्रांस से होगी टक्कर

● लॉस एंजिल्स

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन ने बेल्जियम को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम को रोमांच से भरे मुकाबले में 2-1 से हराया। स्पेन ने साल 2010 के बाद यानी करीब 16 साल बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। सेमीफाइनल में स्पेन का सामना पिछले वर्ल्ड कप में फाइनल तक का सफर तय करने वाली फ्रांस की टीम से होगा।

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने आक्रामक खेल दिखाया और बेल्जियम के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाने का प्रयास किया। स्पेन को सफलता मैच के 30वें मिनट में मिली। लैमिन यामल के शानदार रन के बाद पेड्रो पोरो ने बॉक्स में लो क्रॉस दिया। बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ ने पहले डैनी ओल्मो का शॉट रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर फैबियन रुइज ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, बेल्जियम ने स्पेन की बढ़त को ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहने दिया और मैच के 41वें मिनट में अपना पहला गोल दागा।

86वें मिनट में मेरिनो ने पलटी बाजी

मैच का फैसला आखिरी मिनटों में हुआ। 86वें मिनट में मैदान पर आए स्पेन के मिकेल मेरिनो ने दो मिनट बाद ही टीम के लिए विजयी गोल दाग दिया। पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को बेल्जियम के नए गोलकीपर ठीक से नहीं रोक सके। गेंद उनके हाथों से छूट गई और मेरिनो ने बिना गलती किए उसे गोल में तब्दील कर दिया। यह लगातार दूसरा मैच रहा, जिसमें मेरिनो ने सब्सटीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर उतरकर आखिरी मिनटों में स्पेन के लिए निर्णायक गोल किया। इससे पहले उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के खिलाफ भी जीत दिलाने वाला गोल किया था।

लामिन यमाल ने फ्रांस को दी है खुली चुनौती

सेमीफाइनल मुकाबले में अब स्पेन की भिड़ंत फ्रांस से 15 जुलाई को होगी। इस मैच से पहले ही स्पेन के युवा स्टार लामिन यमाल ने फ्रांस को खुली चुनौती दी है। यमाल का कहना है कि स्पेन किसी भी टीम से नहीं डरता और अगर किसी को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है। उन्होंने कहा, "हम इस मैच को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि इस समय टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी। हमारे आक्रामक खेल में कोई बदलाव नहीं होगा टीम हमेशा की तरह अटैकिंग फुटबॉल खेलेगी।

इंग्लैंड में भारत की 56 रन से शर्मनाक हार सीरीज के साथ ही गंवाया नंबर 1 का ताज

जोस बटलर का शतक तो हैरी ब्रूक ने ठोके नाबाद 95 रन

● साउथम्पटन

साउथम्पटन, आरएनएन। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की टी20 में आयरलैंड के बाद इंग्लैंड में भी शर्मनाक पराजय हुई। भारतीय टीम ने सीरीज तो गंवाया ही, वो आईसीसी की टी20 रैंकिंग में भी नंबर-1 की पोजीशन से गंवा दी है। अब इंग्लैंड टी20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच चुका है।

इंग्लैंड ने जोस बटलर की धांसू सेंचरी और वर्तमान कप्तान हैरी ब्रूक के नाबाद 95 रनों के दम पर भारत के खिलाफ न केवल सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया, बल्कि उसने 257 रनों को डिफेंड करने के लिए कमाल की गेंदबाजी। सैम करन के 3 विकेटों के दम पर इंग्लैंड ने मैच और सीरीज दोनों ही अपने नाम कर ली। मैच में इंग्लैंड ने विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर भारत को 56 रन से हराकर मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। इस सीरीज को उसने 4-0 से अपने नाम किया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में न केवल आयरलैंड के खिलाफ सीरीज हारे, बल्कि इंग्लैंड से हार के बाद आलोचकों के निशाने पर आ गए।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट कॉट शेड्गे बो.कृष्णा	6	9	1	0
बटलर कॉट अय्यर बो.दुबे	131	64	12	8
ब्रूक नाबाद	95	45	4	8
बेथेल कॉट तिलक बो.दुबे	0	1	0	0
जैक्स नाबाद	7	2	0	1

अतिरिक्त: 18, **कुल रन:** 257-3 (20.0)
बल्लेबाजी नहीं की: बैटन, करन, डॉसन, आर्चर, रशीद, टंग
विकेट पतन: 8-1,241-2,241-3, गेंदबाज- अर्शदीप: 4-0-33-0, कृष्णा: 4-0-38-1, प्रेस: 4-0-60-0, अक्षर: 4-0-63-0,शेड्गे: 3-0-39-0, दुबे: 1-0-22-2.

भारत	रन	गेंद	4	6
सैमसन कॉट बेथेल बो.करन	27	14	3	2
अभिषेक कॉट बटलर बो.आर्चर	3	5	0	0
ईशान कॉट सॉल्ट बो.रशीद	56	35	7	2
अय्यर कॉट करन बो.डॉसन	28	16	4	0
तिलक कॉट बटलर बो.टंग	53	25	3	4
दुबे कॉट आर्चर बो.करन	14	10	2	0
शेड्गे कॉट बटलर बो.करन	7	6	1	0
अक्षर कॉट जैक्स बो.रशीद	3	4	0	0
अर्शदीप नाबाद	4	5	0	0
कृष्णा नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्त: 5, **कुल रन:** 201-8 (20.0) बल्लेबाजी नहीं की: प्रेस
विकेट पतन: 25-1,55-2,110-3,131-4,162-5,189-6,193-7,199-8, गेंदबाज- आर्चर: 4-0-41-1, टंग: 4-0-53-1,जैक्स: 3-0-32-0,करन: 4-0-36-3, डॉसन: 2-0-14-1,रशीद: 3-0-24-2.

ईशान और तिलक की फिफ्टी बेकार

258 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी। ईशान किशन ने 35 गेंदों में 56 रनों की उपयोगी पारी खेली। तिलक ने 25 गेंदों में 53 रन बनाए।

अनिमेष कुजूर विदेशी धरती पर 100 मी. स्पर्धा में सबसे तेज भारतीय धावक बने

गुरिंदर सिंह का रिकॉर्ड तोड़ने से 0.05 सेकंड से चूके अनिमेष

● नई दिल्ली

एथलेटिक्स में अनिमेष कुजूर ने एक बार फिर अपनी रफ्तार से इतिहास रचा है।

ओडिशा के इस धावक ने प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 10.14 सेकंड में पूरी कर दूसरा स्थान हासिल किया।

भारत के सबसे तेज 100 मीटर के धावक

गुरिंदर सिंह	10.09 सेकंड
अनिमेष कुजूर	10.14 सेकंड
अनिमेष कुजूर	10.15 सेकंड
गुरिंदर सिंह	10.17 सेकंड
अनिमेष कुजूर	10.18 सेकंड

इसके साथ ही वह विदेशी धरती पर 100 मीटर स्पर्धा में सबसे तेज दौड़ने वाले भारतीय बन गए। हालांकि, वह गुरिंदरवीर सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.09 सेकंड से महज 0.05 सेकंड पीछे रह गए। अनिमेष ने फाइनल से पहले ही हीट में 10.19 सेकंड का समय निकालकर अपनी शानदार फॉर्म का संकेत दे दिया था। फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए 10.14 सेकंड का समय निकाला, जो उनका नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) भी है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ समय 10.15 सेकंड था। यह किसी भी भारतीय धावक द्वारा विदेशी धरती पर 100 मीटर में दर्ज किया गया सबसे तेज समय है।

वनडे से होल्डर ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, आरएनएन। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने जेसन होल्डर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने एक बातचीत के दौरान जेसन होल्डर के वनडे क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि करके सबको चौंका दिया है। 1 फरवरी 2013 को होल्डर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। वह आखिरी बार 2023 में इस फॉर्मेट में खेलते नजर आए थे। डैरेन सैमी ने कहा, जेसन होल्डर अभी भी टेस्ट टीम में शामिल होने की दौड़ में हैं। मुझे पता है कि उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के लिए वे निश्चित रूप से उपलब्ध हैं।

क्रांति ने स्विंग से इंग्लैंड को नचाया भारत ने बनाई 269 रन की बढ़त

170 रन पर ढेर हुई इंग्लैंड टीम

● नई दिल्ली

लार्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक टेस्ट में दूसरे दिन तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ की धारदार स्विंग के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम बैकफुट पर आ गई। भारत के 285 रन के जवाब में मेजबान इंग्लैंड टीम 170 रन पर ढेर हो गई। इसमें क्रांति ने 37 रन देकर पांच विकेट झटके।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 1 विकेट खोकर 154 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम के पास 269 रन की बढ़त है। इंग्लैंड के लिए कप्तान नेट साइवर ब्रंट (44) और विकेट कीपर एमी जोंस (52) के अलावा अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सकीं। भारत के लिए गौड़ के अलावा सयाली सतघरे और स्नेह राणा ने दो-दो विकेट लिए, वहीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी एक विकेट मिला। भारत की गेंदबाजों ने दूसरे दिन लंच तक ही इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को लगभग ध्वस्त कर दिया था, जब मेजबान टीम 137 रन पर ही पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसमें क्रांति तीन विकेट ले चुकी थीं, वहीं लंच के बाद कप्तान साइवर सहित इंग्लैंड की अन्य चार बल्लेबाजों को भारतीय टीम ने 33 रन के भीतर ही पवेलियन भेज दिया।लंच से पहले साइवर और एमी जोंस ने पांचवें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों का काफी हद तक डटकर सामना किया और एक समय लगा कि इससे इंग्लैंड की मैच में वापसी हो सकती है।

स्मृति मंधाना ने फिर लगाया अर्धशतक

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 42 ओवर में 1 विकेट खोकर 154 रन बना चुकी है। भारत को शैफाली वर्मा के रूप में पहला झटका लगा। 7 चौकों की मदद से शैफाली ने 55 गेंदों पर 33 रन बनाए। इसके बाद स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाया। यास्तिका भाटिया उनका साथ दे रही हैं। स्टंप तक मंधाना 124 गेंदों पर 69 रन और भाटिया 73 गेंदों पर 39 रन बनाकर नाबाद हैं।

अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती में प्रियांशी ने जीता गोल्ड

अकादमी की पूर्व खिलाड़ी बनीं राष्ट्रीय चैंपियन

● भोपाल / खेल संवाददाता

हरियाणा के रोहतक में 10 जुलाई से आयोजित अंडर-23 राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश राज्य कुश्ती अकादमी की पूर्व खिलाड़ी प्रियांशी प्रजापत ने महिला 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। प्रियांशी ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मुकाबलों में बढ़त बनाई और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

कौशल प्रदर्शन 107वीं आरएएफ इंटर सेक्टर ट्रायथलॉन प्रतियोगिता का आयोजन

पुष्पलता को बेस्ट फीमेल एथलीट का अवॉर्ड

● भोपाल / खेल संवाददाता

सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के परिसर में 107वीं आरएएफ इंटर सेक्टर ट्रायथलॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में सदर्न सेक्टर,जेकेडी सेक्टर, जोरहट, सीजी टीपीए, एनडब्ल्यूएस, केके, आरएएफ एमपी और ओडिशा सेक्टर सहित देश के विभिन्न आरएएफ सेक्टरों की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रायथलॉन प्रतियोगिता के अंतर्गत स्विमिंग, साइक्लिंग एवं रनिंग की तीन स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिनमें 60 से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए। समापन समारोह में सीआरपीएफ की महानिरीक्षक (आईजी) नीतू भट्टाचार्य, 107वीं आरएएफ इंटर बटालियन के कमांडेंट (सीओ) जेपी बलाई तथा सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के कुलपति प्रो. अनिल एम. बिसेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आरएएफ सेक्टर बनी बेस्ट रिले टीम

अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए तथा सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के आधुनिक खेल परिसर और विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। प्रतियोगिता में पुष्पलता बरे को बेस्ट फीमेल एथलीट, अभि अर्जुन को बेस्ट मेल एथलीट तथा आरएएफ सेक्टर को बेस्ट रिले टीम का पुरस्कार प्रदान किया गया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शॉटगन में नीरू ढांडा ने जीता स्वर्ण पदक

अकादमी की मनीषा ने शीर्ष-10 में बनाई जगह

● भोपाल

इटली के लोनाटो में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शॉटगन में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढांडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं अकादमी की दूसरी खिलाड़ी मनीषा ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दसवां स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश और प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में दुनिया के कई देशों के सर्वश्रेष्ठ शूटरों ने हिस्सा लिया।

सेवा भारती समिति जालोर ने विभिन्न बस्तियों में खोले दो बाल संस्कार केंद्र

राजस्थान दर्शन

जालोर। सेवा भारती समिति जालोर द्वारा रविवार को विभिन्न बस्तियों में खोले दो बाल संस्कार केंद्र खोले गये। सेवा भारती के जीतू भाई सोनी ने बताया कि समिति द्वारा रविवार को शहर के शांति नगर सहित विभिन्न बस्तियों में खोले दो बाल संस्कार केंद्र खोले गये। शांति नगर में बाल संस्कार केन्द्र का शुभारंभ प्रान्त सेवा प्रमुख नटवरराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त सेवा प्रमुख नटवर राज नागौर ने दीप प्रज्वलित कर दोनों केंद्रों का शुभारंभ किया। दोनों केन्द्र संचालिका बहन रिंकू एवं बस्ती की गणमान्य जन, माता व बहनें उपस्थित रही। प्रान्त सेवा प्रमुख नटवर राज ने बताया कि सेवा भारती द्वारा पुरे भारत में शिक्षा, स्वस्थ स्वावलँबन के विभिन्न कार्य संचालित हो रहे है जिसमे शिक्षा केन्द्र, छात्रावास, एम्बुलेंस, चल चिकित्सा केंद्र, सिलाई केंद्र आदि प्रमुख है। अंतिम पायदान पर बैठा अपना बंधु शिक्षित, स्वावलम्बी, स्वाभिमानी और स्वस्थ हो, जिनकी आज सेवा कर रहें है वे कल सेवित हो इस कर्तव्य भाव से सेवा भारती कार्य करती है। साथ ही उन्होंने कहा कि आज सबको पढ़ने की आवश्यकता है। प्रारम्भ हुए बाल संस्कार केंद्र बस्ती विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर विभाग सेवा प्रमुख भुपेंद्र, जिला सेवा प्रमुख मीठालाल, नगर सेवा प्रमुख जितेश, सेवा भारती जालोर से कोषाध्यक्ष जीतू भाई सोनी सहित बस्ती के अनेक लोग उपस्थित रहे।

आमने-सामने भिड़े दो ट्रेलर, भीषण आग में एक चालक जिंदा जला

कांडला हाईवे पर तीन घंटे तक यातायात बाधित, दो दमकलों ने पाया आग पर काबू

राजस्थान दर्शन

दांतराई- अनादरा थाना क्षेत्र में एनएच-168 कांडला हाईवे पर शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रेलर चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई। सिरोड़ी गांव के अस्पताल के पास दो ट्रेलरों की आमने-सामने हुई भीषण भिड़ंत के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि एक ट्रेलर का चालक केबिन में ही फंस गया और बाहर नहीं निकल सका। आग बुझने के बाद पुलिस को केबिन से चालक का कंकाल बरामद हुआ। हादसे में दूसरे ट्रेलर के चालक समेत तीन लोगों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। अनादरा थानाधिकारी कमलेश गहलोत ने बताया कि शनिवार रात करीब 9 बजे एक ट्रेलर जयपुर से टाइल्स भरकर मोरबी गुजरात जा रहा था, जबकि दूसरा ट्रेलर पत्थर भरकर अनादरा से सिरोड़ी की ओर आ रहा था। सिरोड़ी अस्पताल के आगे दोनों ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में कुछ ही क्षणों में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने दोनों ट्रेलरों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद ट्रेलरों से ऊंची-ऊंची आग की लपटें और काले धुएं के गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिए। आग की चपेट में आने से ट्रेलरों के टायर लगातार फटते रहे, जिससे तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं। धमाकों और आग की भयावहता को देखकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए।

केबिन में फंसा चालक, जिंदा जलने से हुई मौत

हादसे के दौरान मोरबी जा रहे ट्रेलर के चालक और हेल्पर तथा दूसरे ट्रेलर के हेल्पर ने समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। लेकिन दूसरे ट्रेलर का चालक केबिन में फंस गया और बाहर नहीं निकल सका। आग इतनी भीषण थी कि चालक की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। आग बुझने के बाद पुलिस ने केबिन से चालक के अवशेष और कंकाल बाहर निकाला। मृतक की पहचान टोंक जिले के निवासी मुकेश कुमार पुत्र प्रभु के रूप में हुई है। पुलिस ने शव के अवशेषों को पोस्टमार्टम के लिए अनादरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया तथा परिजनों को हादसे की सूचना दी। जिसके बाद परिजन पहुंचे ओर शव सोप दिया गया।

40 मिनट बाद पहुंची पहली दमकल पहुंची, फिर दुसरी

हादसे की सूचना मिलने के करीब 40 मिनट बाद पहली दमकल मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग की तीव्रता को देखते हुए बाद में दूसरी दमकल भी मौके पर पहुंची। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद दोनों दमकलों की सहायता से आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका तब तक चालक की जलने से मोत हो चुकी थी।

तीन घंटे तक जाम रहा कांडला हाईवे, 12 बजे सुचारू किया यातायात

हादसे के बाद कांडला हाईवे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क के दोनों ओर भारी वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने पहले वन-वे व्यवस्था बनाकर हल्के वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई। बाद में क्रेन की मदद से जले हुए ट्रेलरों को सड़क से हटाया गया। करीब रात 12 बजे हाईवे पर यातायात पूरी तरह सुचारू हो सका।

प्रारंभिक जांच में ओवरटेक के दौरान हादसे की आशंका

थानाधिकारी कमलेश गहलोत देर रात तक मौके पर मौजूद रहकर राहत एवं बचाव कार्य के साथ यातायात व्यवस्था संभालते रहे। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण ओवरटेक के दौरान आमने-सामने की टक्कर माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

उपखंड मुख्यालय पर फायर ब्रिगेड का अभाव, आगजनी की घटनाओं में बढ़ रहा नुकसान

रेवदर उपखंड मुख्यालय पर आज तक फायर ब्रिगेड की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से क्षेत्रवासियों को आगजनी की घटनाओं के दौरान भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल वाहन दूसरे शहरों से बुलाने पड़ते हैं, जिससे मौके पर पहुंचने में काफी देर हो जाती है। इस देरी के कारण आग विकराल रूप धारण कर लेती है और लोगों को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी कई बार आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर फायर ब्रिगेड नहीं होने से समय पर राहत कार्य शुरू नहीं हो पाता। हाल ही में हुए ट्रेलर हादसे में भी दमकल वाहनों को बाहर से बुलाना पड़ा, जिससे आग पर काबू पाने में समय लगा। क्षेत्रवासियों ने लंबे समय से रेवदर उपखंड मुख्यालय पर स्थायी फायर ब्रिगेड केंद्र स्थापित करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि बढ़ती आबादी, औद्योगिक गतिविधियों और राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले भारी वाहनों को देखते हुए रेवदर में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था अब बेहद आवश्यक हो गई है।

राजसुगम सेवा संस्थान ने देवदा स्कूल में वितरित की पाठ्य सामग्री

विद्यार्थियों को शिक्षा व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शिक्षा ही सफलता की कुंजी - मेघवाल

राजस्थान दर्शन

जालोर। राजसुगम सेवा संस्थान, जालोर की ओर से 'शिक्षा में सहयोग अभियान' के तहत राजकीय विद्यालय देवदा में विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री एवं ड्रेस का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों, ग्रामीणों एवं विद्यालय स्टाफ ने भाग लिया। संस्थान की ओर से बच्चों को नोट बुक ड्रेस आदि शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। पाठ्य सामग्री एवं नई स्कूल ड्रेस प्राप्त कर बच्चों के चेहरो पर खुशी छाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक किशोर कुमार ने संस्थान की ओर से किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना की ओर कहा कि ऐसे सामाजिक सरोकारों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन मिलता है। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। संस्थान के प्रेरक भरत कुमार मेघवाल ने विद्यार्थियों से मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ पढ़ाई कर जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता कुंजी है। उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्थान की सचिव रवीना कुमारी ने संस्थान की ओर से शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक जागरूकता ओर सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी जरूरतमंद विद्यार्थियों के सहयोग एवं समाजहित के कार्यों को निरंतर जारी रखेगा। इस दौरान विद्यालय स्टाफ ओर विद्यार्थियों ने संस्थान का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हुआ देवी, अध्यापिका अंजली महर्षि, अंजू त्यागी, विला कंवर, ग्रामीण रमेश कुमार सहित विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

11 से 18 जुलाई तक जिले में आयोजित होगा विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़ा

परिवार नियोजन सेवाओं को मिलेगा अभियान का स्वरूप, योग्य दंपत्तियों तक पहुंचेगी हर सुविधा

राजस्थान दर्शन

जालोर। जिले में विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में 11 से 18 जुलाई 2026 तक विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जिलेभर में परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। चिकित्सा संस्थानों के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विशेष गतिविधियों का आयोजन कर योग्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम जाणी ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा। पखवाड़े के दौरान आशा, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर योग्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे तथा उपलब्ध सेवाओं की जानकारी देंगे। उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी चिकित्सा संस्थानों पर पुरुष एवं महिला नसबंदी, अंतरा इंजेक्शन, पीपीआईयूसीडी, कॉपर-टी, छाया गोली, कंडोम एवं अन्य गर्भनिरोधक साधनों की सेवाएं सुलभ रहेंगी। साथ ही नवविवाहित दंपत्तियों एवं नवप्रसूता महिलाओं को उचित परामर्श देकर छोटे एवं स्वस्थ परिवार के महत्व से अवगत कराया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर गजराज ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए सभी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विभिन्न स्तरों पर जागरूकता रैलियां, परामर्श शिविर, समूह बैठकें एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र दंपत्तियों को परिवार कल्याण सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का माध्यम नहीं, बल्कि मां एवं बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली और सामाजिक-आर्थिक विकास का मजबूत आधार है। सभी पात्र दंपत्ति स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाकर स्वस्थ, सुरक्षित एवं समृद्ध परिवार के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

प्रचार वाहन को दिखाकर किया रवाना

पखवाड़े के शुभारंभ अवसर पर परिवार नियोजन एवं जनसंख्या स्थिरीकरण का संदेश आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रचार-प्रसार वाहन को अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर गजराज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भोमाराम चौधरी, सुशील माथुर, हरफूल घिंटाला, रमेश पन्नू, शंकर सुथार, अभिमन्यु सिंह, सिद्धार्थ जकारिया समेत कई जन मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल का एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

राजस्थान दर्शन

जालोर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, जालोर नगर के तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन शहर के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, शबरी बस्ती, तासखाना बावड़ी के विद्यालय प्रांगण में किया गया। सेवा कार्य का आयोजन पवनपुरीजी महाराज के पावन सानिध्य तथा भामाशाह फतेह ग्रेनाइट, जालोर के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार डॉ. विजय मीणा, डॉ. स्वरूप एवं नर्सिंग ऑफिसर गुप्तेश की टीम द्वारा चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गईं। शिविर में 70 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क उपचार एवं आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के प्रांत के निर्देशानुसार पूरे जिले में सेवा सप्ताह के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जालोर जिले के विभिन्न स्थानों पर भी आगामी दिनों में अनेक सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे तथा सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों एवं सहयोगकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

माथुर की स्मृति में आयोजित प्रथम जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सालासर क्लब बना चैंपियन

राजस्थान दर्शन

जालोर। स्थानीय स्टेडियम प्रांगण में स्व. दलपत कुमार माथुर की स्मृति में आयोजित प्रथम जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। शनिवार सायं खेले गए रोमांचक फाइनल में सालासर क्लब ने नमस्ते जालोर को 51-49 के कड़े मुकाबले में हराकर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम के मुकेश चौधरी ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का गौरव पाया। निर्णायक की भूमिका एनआईएस कोच नरेश कुमार मालवीय एवं सज्जन कुमार ने निभाई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि लालसिंह सांखला सेक्रेटरी जनरल जालोर डिस्ट्रिक्ट ओलम्पिक एसोसिएशन ने खिलाड़ियों को ओलम्पिक मंत्र 'और तेज़, और ऊँचा, और मज़बूत' एक साथ की भावना से खेलने का संदेश दिया कार्यक्रम की अध्यक्षता जालोर डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी मूनसिंह राठौड़ ने की और सभी का आभार जताया। आयोजकों ने घोषणा की कि अगले वर्षों से स्व. दलपत कुमार माथुर की स्मृति में इस आयोजन को जिला स्तरीय टूर्नामेंट के रूप में भव्य रूप दिया जाएगा इस निर्णय से जिले के बास्केटबॉल प्रेमियों में खासा उत्साह है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए क्रैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, सी- 565- सी, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड, जयपुर- 302013 (राजस्थान) से मुद्रित एवं ए-11, प्रथम मंजिल, करधनी शोपिंग सेंटर, हरीमार्ग, मालवीय नगर, जयपुर- 302017 से प्रकाशित।
संपादकः कमलेश सिंह, एच- 6, नंदपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन न- 0141-48199557 मो. 9166693566 E-mail rdnewsjaipur@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा (* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)